सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-356
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया
हम प्रयास के लिए उत्तरदायी हैं, न कि परिणाम के लिए

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, गुरुवार 03 अप्रैल 2025

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

इंदौर के एमजी रोड पर अंडर ग्राउंड मेट्रो नहीं चाहते मंत्री कैलाश विजयवर्गीय

इंदौर। इंदौर के मध्य हिस्से में मेट्रो के रुट का काम अभी तक शुरू नहीं हो पा रहा है। यहां मेट्रो का अंडरग्राउंड काम होना है और नाथ मंदिर से इसे अंडर ग्राउंड करना तय हुआ है। बुधवार को नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने मेयर पुष्य मित्र भार्गव व जनप्रतिनिधियों के साथ दौरा किया। इस दौरान मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने मेट्रो की अंडर ग्राउंड लाइन बिछाने को लेकर अपनी आपत्ति दर्ज करा दी। विजयवर्गीय ने कहा कि मेट्रो शहर के लिए बोझ नहीं बने नागरिकों के लिए उपयोगी बने। इसलिए हम एमजी रोड पर हम मेट्रो अंडर ग्राउंड नहीं चाहते। उन्होंने कहा कि यदि मेट्रो लाइन अंडर ग्राउंड डाली जाएगी तो एमजी रोड खराब हो जाएगा। हम एमजी रोड से मेट्रो को अंडर ग्राउंड जाने देना नहीं चाहते। मंत्री ने कहा कि इसके लिए तीन-चार विकल्प थे, दो से तीन विकल्प हमने और दिए हैं। इसे मेट्रो की टीम और हमारे विशेषज्ञ बैठक कर देखेंगे। हम एक सप्ताह बाद फिर बैठेंगे और शहर के लिए अच्छा हल निकालेंगे।

नए सिरे से निर्माण लागत का हो आकलन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि इससे पहले जब मेट्रो को लेकर अधिकारियों ने बैठक ली थी तो जनप्रतिनिधियों को गलत जानकारी दी गई थी, लेकिन अब ऐसा कोई भी फैसला नहीं लिया जाएगा जो शहर हित में ना हो। इसलिए अधिकारियों से वैकल्पिक रूट को लेकर भी चर्चा हुई है और जल्द ही उनके साथ दोबारा बैठक होगी। उन्होंने अफसरों को नए सिरे से निर्माण लागत का आकलन करने को कहा है।

कोई जल्दबाजी नहीं, घाटा लेकर नहीं चलाएंगे मेट्रो मेट्रो के प्रायोरिटी कॉरिडोर पर मेट्रो के कामर्शियल रन को लेकर भी मंत्री विजयवर्गीय ने स्पष्ट कह दिया है कि घाटा लेकर हम मेट्रो नहीं चलाएंगे। विधिवत प्लानिंग के साथ उसे शुरू किया जाएगा। हम किसी तरह की जल्दबाजी में नहीं हैं। बता दें कि मध्य प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एमपीएमआरसीएल) इन दिनों शहर के गांधी नगर स्टेशन से सुपर कॉरिडोर के स्टेशन क्रमांक-तीन के बीच 5.90 किलोमीटर के प्रायोरिटी कॉरिडोर पर मेट्रो रेल चलाने की तैयारी कर रहा है। यह गलियारा शहर की नई बसाहट में स्थित है।

केंद्र सरकार जारी कर चुकी नोटिफिकेशन मेट्रो के अंडरग्राउंड रूट को लेकर मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की आपत्ति ऐसे समय में आई है जब केंद्र सरकार की तरफ से मेट्रो रुट और स्टेशनों का नोटिफिकेशन हो चुका है। इस कारण संभावना कम ही है कि मेट्रो के रुट में बदलाव हो सके। मेट्रो रेल कार्पोरेशन पहले ही अंडर ग्राउंड रुट के लिए निर्माण कंपनी तय कर चुका है और दो माह बाद एयरपोर्ट वाले हिस्से से काम भी शुरू हो जाएगा।

ज्यादातर जनप्रतिनिधि यह चाहते हैं शहर के ज्यादातर जनप्रतिनिधि चाहते हैं कि पलासिया चौराहे के पहले से ही मेट्रो अंडरग्राउंड हो,ताकि पलासिया चौराहे पर ब्रिज बनाने में भी परेशानी न आए। इंदौर के मध्य हिस्से में मेट्रो के रुट का काम अभी तक शुरू नहीं हो पा रहा है। यहां मेट्रो का अंडर ग्राउंड काम होना है और नाथ मंदिर से इसे अंडर ग्राउंड करना तय हुआ है, लेकिन शहर के ज्यादातर जनप्रतिनिधि चाहते हैं कि पलासिया चौराहा के पहले से मेट्रो अंडर ग्राउंड हो, ताकि पलासिया चौराहे पर ब्रिज बनाने में भी परेशानी न आए।

...तो पलासिया चौराहे पर बीस फीट उपर से ब्रिज बनाना पड़ेगा यदि मेट्रो पलासिया चौराहा से अंडरग्राउंड करने पर सहमति नहीं बनती है तो फिर पलासिया चौराहे पर डबल डेकर ब्रिज बनाने में दिक्कत आएगी। प्रदेश सरकार ने बीआरटीएस हटाने के निर्देश दिए है। उसके बाद सभी प्रमुख चौराहों पर ब्रिज बनाए जाएंगे। यदि मेट्रो का ट्रेक पलासिया चौराहा से क्रास होगा तो फिर ट्रेक के बीस फीट उपर से ब्रिज बन पाएगा। इसके चलते ब्रिज की लंबाई भी एक किलोमीटर से ज्यादा रहेगी। पांच माह पहले इंदौर में हुई बैठक में मंत्री विजयवर्गीय के निर्देश पर ही मेट्रो के दो वैकल्पिक रुटों का अध्ययन अफसरों ने किया, लेकिन नोटिफिकेश होने के बाद बदलवा की गुंजाईश नहीं रही।

अचानक मरने लगे कौए, 100 मौतों से पशु विभाग में मचा हड़कंप

शहडोल। मध्यप्रदेश के शहडोल जिले से हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां ग्रामीण इलाकों में तीन दिनों से लगातार कौओं की मौत हो रही है। अब तक 100 से अधिक कौओं की मौत हो चुकी है। इतनी बड़ी संख्या में अचानक हो रही कौओं की मौत से ग्रामीणों में हड़कंप मच गया है। अनहोनी की आशंका से ग्रामीण सहमे हुए हैं। कौओं की मौत का कारण अभी तक अज्ञात है। लेकिन मामले की जानकारी लगते ही पशु विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई है। दरअसल, जिले के झीक बिजुरी के मैरटोला करौदी के आसपास के गांवों पिछले तीन दिनों से लगातार कौओं की मौत हो रही है। अचानक हो रही कौओं की मौत पर ग्रामीणों का कहना है कि पिछले तीन दिनों से कौओं की मौत हो रही है। कौए अचानक पेड़ से गिरकर जमीन पर छटपटाने लगते हैं। दो-तीन घंटे के बाद बीमार कौए दम तोड़ देते हैं।

अवशेषों को जांच के लिए भेजा ग्रामीणों का कहना है कि अब तक गांव में 100 से अधिक कौओं की मौत हो चुकी है। पर्यावरण प्रदूषण, ठंड या कीटनाशक दवाओं के प्रयोग से कौओं की मौत होने की आंशका है। इस मामले को लेकर ग्रामीणों ने अधिकारियों से शिकायत की है। इसके बाद वन विभाग ने कौओं के अवशेषों को जांच के लिए भेजा गया है।

पशु विभाग ने शुरू की जांच अचानक हो रही कौओं की मौत की पुष्टि करते हुए शहडोल जिले के पशु चिकित्सा विभाग के उप संचालक पीके पाठक ने कहा है कि कौए की मौत की जानकारी लगी है। मौके पर विभाग से एक दल रवाना हुआ। किन कारणों से पक्षियों की मौत हो रही हैं इसकी जांच की जा रही है। प्रदेश स्तर की लैब में सैंपल भेजा जाएगा और उनकी मौत का कारण का पता लगाया जाएगा। यदि कौओं की संख्या अधिक हुई तो उनके शव को जमीन में दफनाया जाएगा।

तस्कर बंशी गुर्जर के फर्जी एनकाउंटर मामले में डीएसपी ग्लेडविन गिरफ्तार

इंदौर। नीमच क्षेत्र में 2009 में बंशी गुर्जर फर्जी एनकाउंटर मामले में दिल्ली की सीबीआई टीम ने इंदौर जिले में पदस्थ डीएसपी ग्लेडविन को गिरफ्तार किया है। नीमच के कुख्यात अपराधी और तस्कर बंशी गुर्जर को पुलिस ने एनकाउंटर में मृत बताया था, जबकि वह जीवित निकला था। मामला कोर्ट तक पहुंचा था। कोर्ट ने सीबीआई को जांच के निर्देश दिए थे। सीबीआई ने मामले की जांच की। तब नीमच थाने में बतौर थाना प्रभारी ग्लेडनिव पदस्थ थे। जांच में उनकी भूमिका भी संदिग्ध पाई गई थी। उनके खिलाफ सबूत मिलने के बाद मंगलवार रात को टीम ने उन्हें गिरफ्तार किया। बंशी गुर्जर नीमच क्षेत्र का तस्कर है। उस पर कई मामले दर्ज है। वर्ष 2009 में पुलिस द्वारा बताया गया था कि बंशीलाल उर्फ शिवा पिता रामलाल गुर्जर के साथ कुकड़ेश्वर थाना क्षेत्र में पुलिस के साथ मुठभेड़ हुई थी। जिसमें बंशीलाल की मौत होना बताई गई थी, लेकिन ग्रामीणों में चर्चा चलती रही कि बंशीलाल जिंदा है। पुलिस ने वर्ष 2011 में एक केस में बंशीलाल के साथी घनश्याम धाकड़ को गिरफ्तार किया तो उनसे बताया था कि फरारी के दौरान वह बंशीलाल के साथ था। बाद में 20 नवंबर 2011 को उज्जैन में बंशीलाल गुर्जर को गिरफ्तार किया। जांच में यह भी पता चला कि खुद को मृत बताने के लिए आरोपी ने नकली दस्तावेज भी बनाए थे। इस मामले में कोर्ट ने उसे सात साल की सजा दी थी। बाद में मामला सीबीआई को सौंपा गया।

पैदल यात्रा पर निकले जैन मुनि को खंडवा में वाहन ने रौंदा, मौके पर मौत

खंडवा। खंडवा में नेशनल हाईवे पर जैन मुनि को आयशर वाहन ने रौंद दिया जिससे उनकी घटना स्थल पर ही मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस जांच में जुट गई है। इंदौर-इच्छापुर हाईवे पर मोकलगांव कालका ढाबा के पास ज्ञानगच्छ समुदाय के गजेंद्र मुनिजी नागपुर से पैदल विहार करते हुए इंदौर जा रहे थे, उनके साथ दो अन्य जैन मुनि भी थे। रास्ते में ग्राम मोकलगांव टोल टैक्स के पास एक तेज रफ्तार आयशर वाहन ने उन्हें रौंद दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसा सुबह करीब 8 बजे हुआ। आयशर वाहन की टक्कर इतनी तेज थी कि जैन मुनि की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के तुरंत बाद ड्राइवर वाहन लेकर फरार हो गया। टीआई दिलीप देवड़ा ने बताया कि टोल टैक्स के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए, जिसमें एक आयशर वाहन हादसे के समय गुजरता दिखा। पुलिस वाहन और ड्राइवर की तलाश कर रही है। पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम पंधाना में कराया, जिसके बाद पूज्य महाराज साहब की डोल यात्रा सुबह 12 बजे पंधाना में सिलटिया मुक्तिधाम धाम पहुंची जहां समाज द्वारा जैन पद्धति से अंतिम संस्कार किया गया।

जयपुर सीरियल ब्लास्ट की साजिश में शामिल आतंकी फिरोज रतलाम में पकड़ाया

रतलाम। राजस्थान के जयपुर सीरियल ब्लास्ट की साजिश में शामिल आतंकी फिरोज खान पिता फकीर मोहम्मद सब्जीवाला निवासी रतलाम को रतलाम पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आतंकी फिरोज राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) और स्थानीय पुलिस को लंबे समय से चकमा देकर फरार चल रहा था। फिरोज पर राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने भी पांच लाख रुपए का इनाम घोषित कर रखा था। आतंकी फिरोज जब ईद मनाने रतलाम आया, इसी दौरान पुलिस के इसे गिरफ्तार कर लिया। जयपुर सीरियल ब्लास्ट की साजिश में शामिल रतलाम निवासी आतंकी फिरोज को रतलाम पुलिस ने सुबह 4 बजे उसके घर से गिरफ्तार कर लिया। आतंकी फिरोज पिछले दो सालों से पुलिस और जांच एजेंसियों को चकमा देकर फरार चल रहा था। ईद के मौके पर जब फिरोज अपने घर आया तो रतलाम पुलिस ने उसे उसके घर से ही गिरफ्तार कर लिया। रतलाम एसपी अमित कुमार के मुताबिक आरोपी जयपुर में ब्लास्ट की साजिश में शामिल था। वह 2022 से फरार चल रहा था और एनआईए व पुलिस तलाश में लगी थी। इस मामले में 10 आरोपियों की गिरफ्तारी पहले हो चुकी हैं। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए रतलाम सहित कई शहरों में पोस्टर भी लगाए गए थे। एसपी अमित कुमार ने बताया कि एनआईए की टीम आरोपी को जल्द ही अपने कब्जे में लेगी। रतलाम पुलिस की इस कार्रवाई को आतंकी गतिविधियों के खिलाफ एक बड़ी सफलता माना जा रहा है।

सड़क से दूर मप्र की 38 हजार बसाहटें

सीएम डॉ. मोहन यादव ने दिए निर्देश-तीन साल में सभी को रोड से जोड़ें

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में मध्यप्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण की बैठक में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के कार्यों की समीक्षा की। बैठक में पंचायत एवं ग्रामीण विकास एवं श्रम मंत्री प्रहलाद पटेल भी शामिल थे। बैठक में बताया गया कि प्रदेश की 89 हजार बसाहटों में से अभी 50 हजार 658 बसाहटों तक सड़क संपर्क सुनिश्चित किया गया है। यानी 38 हजार 342 बसाहटों तक सड़क संपर्क नहीं है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अधिकारियों को अगले तीन साल में प्रदेश की सभी बसाहटों को सड़क से जोड़ने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना-4 के अंतर्गत बनने वाली 11 हजार 544 बसाहटों के लिए सर्वे का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। शेष 26 हजार 798 बसाहटों की कनेक्टिविटी के लिए राज्य सरकार द्वारा पहल की जा रही है। बता दें, राज्य के कई दूरदराज के इलाके आज भी सड़क संपर्क से अछूते हैं, जिससे वहां के निवासी खासकर आपातकालीन स्थिति में चिकित्सा, शिक्षा, और सरकारी सेवाओं तक पहुंचने में परेशानियां झेलते हैं। इसके अलावा, व्यापारिक गतिविधियां और ग्रामीण विकास कार्यों में भी रुकावटें आती हैं। यह समस्या खासकर आदिवासी क्षेत्रों, पहाड़ी क्षेत्रों और वन्य क्षेत्रों में अधिक देखने को मिलती हैं।

विधायकों और पंचायत प्रतिनिधियों की राय ली जाए मुख्यमंत्री ने कहा कि सड़कों की आवश्यकता को देखते हुए वैज्ञानिक आधार पर सर्वे कर सुनिश्चित किया जाए और इसके लिए विधायकों और पंचायत प्रतिनिधियों की राय भी ली जाए। राज्य सरकार अगले तीन वर्षों में सभी बसाहटों को सड़क कनेक्टिविटी से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि ग्रामीण क्षेत्रों में नागरिकों के सुगम आवागमन और बेहतर कनेक्टिविटी के लिए प्रदेश की शत-प्रतिशत बसाहटों को सड़कों से जोड़ा जाएगा। इस कार्य को निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। बैठक में मुख्य सचिव अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

क्षतिग्रस्त सड़कों का रखरखाव गंभीरता से करें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अधिकारियों को अतिवृष्टि, बाढ़ तथा अन्य कारणों से क्षतिग्रस्त मार्गों की मरम्मत और उनके रखरखाव पर गंभीरता से काम करने को कहा। उन्होंने कहा कि सड़कों के रख-रखाव और नियमित निरीक्षण में मोबाइल एप, जियो टैगिंग तथा एआई टेक्नॉलोजी का उपयोग कर इसे अधिक प्रभावी बनाया जाए। सड़कों पर वर्तमान यातायात का सर्वे कर निर्माण और लेन विस्तारीकरण का कार्य प्राथमिकता के आधार पर किया जाए।

प्रदेश में लागू ई-मार्ग पोर्टल की राष्ट्रीय स्तर पर सराहना बैठक में जानकारी दी गई कि प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत पांडाटोला से बीजाटोला तक देश की पहली सड़क का निर्माण बालाघाट जिले के परसवाड़ा क्षेत्र में किया गया है। सड़कों के रखरखाव के लिए भारत सरकार से प्रोत्साहन राशि प्राप्त करने में प्रदेश, देश में प्रथम रहा है। प्रदेश में मार्गों के संधारण के लिए वर्ष 2015-16 से लागू ई-मार्ग पोर्टल की राष्ट्रीय स्तर पर सराहना हुई तथा केंद्र सरकार द्वारा इसे संपूर्ण देश में नेशनल ई-मार्ग के रूप में लागू किया गया है।

केंद्र सरकार ने मप्र को दी चार सड़क परियोजनाओं की सौगात केंद्र सरकार ने मप्र को चार सड़क परियोजनाओं की सौगात दी है। इन परियोजनाओं से प्रदेश के विभिन्न हिस्सों को बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी, जो औद्योगिक और व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा देने में सहायक होगी। केंद्र सरकार द्वारा भोपाल जिले में संदलपुर से नसरुल्लागंज बायपास (राष्ट्रीय राजमार्ग-146बी) पर 43.200 किमी लंबे खंड को 4-लेन बनाने के लिए 1535.66 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई है। विदिशा और सागर जिले में राहतगढ़ से बेरखेड़ी (राष्ट्रीय राजमार्ग-146) 10.079 किमी लंबी इस सड़क को 4-लेन बनाने के लिए 731.36 करोड़ रुपए की मंजूरी दी गई है। सागर जिले में लहदरा गांव जंक्शन से बेरखेड़ी गुरु गांव जंक्शन तक (राष्ट्रीय राजमार्ग-146 से राष्ट्रीय राजमार्ग-44) ग्रीनफील्ड 4-लेन सागर पश्चिमी बायपास (20.193 किमी) के निर्माण के लिए 688.31 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं। ग्वालियर शहर में 28.516 किमी लंबा एक्सेस कंट्रोल्ड 4-लेन बायपास निर्माण के लिए 1347.6 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने चारों सड़क परियोजनाओं को मंजूरी देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी का आभार व्यक्त किया है।

सफाई सर्वेक्षण हुआ पूरा, केंद्रीय टीम ने 1500 स्थानों पर जाकर देखी सफाई

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर में सफाई की स्थिति का जायजा लेने के लिए केंद्र सरकार की टीम द्वारा 10 दिनों तक सर्वेक्षण किया गया। इस दौरान टीम ने 1500 स्थानों पर जाकर सफाई की स्थिति को बारीकी से देखा और नागरिकों के साथ संवाद स्थापित किया। नगर निगम के अधिकारी और स्वयंसेवी संगठन के कार्यकर्ता पूरी तत्परता के साथ इस सर्वेक्षण के दौरान सक्रिय रहे। इंदौर, जो पिछले 7 वर्षों से स्वच्छता सर्वेक्षण में देशभर में नंबर एक स्थान पर रहा है, इस बार भी अपनी दावेदारी बनाए रखने के लिए पूरी तरह तैयार है। हालांकि, इस बार सर्वेक्षण की प्रक्रिया पिछले वर्षों की तुलना में विलंब से शुरू हुई और देर से ही समाप्त हुई।

नए पैरामीटर के तहत किया गया सर्वेक्षण भारत सरकार ने इस बार स्वच्छता सर्वेक्षण के मानकों में बड़े बदलाव किए थे, जिससे नगर निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच यह चिंता बनी हुई थी कि किस प्रकार सर्वेक्षण टीम काम को परखेगी। सर्वेक्षण के दौरान टीम ने जलाशयों, गारबेज सेंटर, ट्रेंचिंग ग्राउंड, घर-घर से कचरा संग्रहण की स्थिति और कचरे के अलगाव (सेग्रीगेशन) की प्रक्रिया का गहन निरीक्षण किया। साथ ही, घरों में कचरे के निष्पादन की व्यवस्था को भी जांचा गया। इंदौर में चलाई जा रही आर-एक्टिविटी को इस बार सर्वेक्षण में प्रमुखता से स्थान दिया गया। इसके अलावा, नागरिकों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता को भी इस मूल्यांकन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया गया।

इस बार पहली बार स्वच्छता सर्वेक्षण के दौरान स्कूलों में जाकर वहां की सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया गया। सर्वेक्षण टीम ने बच्चों से बातचीत कर यह जानने की कोशिश की कि वे स्वच्छता के महत्व को कितनी अच्छी तरह समझते हैं। यह पहल इसलिए की गई ताकि बच्चों में स्वच्छता की आदतों को और अधिक प्रभावी तरीके से विकसित किया जा सके।

स्वच्छता का यह व्यापक मूल्यांकन सुनिश्चित करेगा कि इंदौर अपनी स्वच्छ छवि को बरकरार रख सके और देशभर के अन्य शहरों के लिए एक उदाहरण प्रस्तुत कर सके।

अब वाटर प्लस और गारबेज फ्री सिटी सर्वेक्षण पर नजर स्वच्छता सर्वेक्षण पूरा होने के बाद अब नगर निगम की टीम का ध्यान वाटर प्लस सर्वेक्षण और गारबेज फ्री सिटी सर्वेक्षण पर केंद्रित हो गया है। इंदौर देश का पहला वाटर प्लस शहर था, लेकिन यह दर्जा अब समाप्त हो रहा है, इसलिए नए सिरे से सर्वेक्षण किया जाना आवश्यक है। नगर निगम अधिकारियों का मानना है कि अगले 10 दिनों में इसके लिए सर्वेक्षण टीम इंदौर पहुंचेगी। इसी को ध्यान में रखते हुए नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा लगातार बैठकें कर रहे हैं। आज भी शिवम वर्मा ने सुबह 8 बजे नगर निगम अधिकारियों की बैठक बुलाई, जिसमें नए सर्वेक्षण की तैयारियों को पूरी ताकत के साथ अंजाम देने के निर्देश दिए गए।

हुकमचंद मिल की जमीन की 218 करोड़ की डील से नगर निगम को फायदा नहीं

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। हुकमचंद मिल की जमीन की रजिस्ट्री के मामले में नगर निगम को आर्थिक रूप से कोई सीधा लाभ नहीं हुआ है। आधिकारिक दस्तावेजों के अनुसार, नगर निगम ने इस जमीन को मध्यप्रदेश गृह निर्माण एवं अधोसंरचना मंडल को 218 करोड़ रुपए में बेचा है। लेकिन यह बिक्री मात्र कागजों तक ही सीमित रही, क्योंकि इस रजिस्ट्री के बावजूद निगम को एक भी रुपया प्राप्त नहीं हुआ। यह मामला नगर निगम के लिए एक जटिल वित्तीय प्रक्रिया का हिस्सा बन गया है, जिसमें सीधे तौर पर किसी प्रकार की राजस्व प्राप्ति नहीं हुई।

17.5 हेक्टेयर जमीन की रजिस्ट्री गृह निर्माण मंडल के नाम

हाल ही में नगर निगम ने हुकमचंद मिल की 17.9 हेक्टेयर जमीन में से 17.5 हेक्टेयर जमीन की रजिस्ट्री गृह निर्माण मंडल के नाम कराई। यह रजिस्ट्री 22.45 करोड़ रुपए प्रति हेक्टेयर की दर से कराई गई। पंजीकृत दस्तावेजों में स्पष्ट रूप से उल्लेख है कि यह जमीन 218 करोड़ रुपए में बेची गई है। लेकिन नगर निगम को इस सौदे के परिणामस्वरूप कोई सीधा वित्तीय लाभ नहीं हुआ, जिससे कई सवाल खड़े हो रहे हैं। नगर निगम की इस कार्रवाई को लेकर विभिन्न स्तरों पर चर्चाएं हो रही हैं।

बड़ा प्रोजेक्ट विकसित किया जाएगा

नगर निगम की अपर आयुक्त लता अग्रवाल के मुताबिक नगर निगम और गृह निर्माण मंडल के बीच पहले ही एक समझौता हो चुका था। इस समझौते के तहत, गृह निर्माण मंडल द्वारा हुकमचंद मिल के श्रमिकों की बकाया राशि, जो करीब 400 करोड़ रुपए थी, का भुगतान किया जाना था। इस करार के अनुसार, मिल की जमीन पर एक बड़ा प्रोजेक्ट विकसित किया जाएगा, जिसमें गृह निर्माण मंडल और नगर निगम दोनों की साझेदारी होगी। इस समझौते के तहत ही जमीन की रजिस्ट्री गृह निर्माण मंडल के नाम की गई।

मजदूरों की बकाया राशि और नगर निगम की हिस्सेदारी

नगर निगम का तर्क है कि रजिस्ट्री में जो 218 करोड़ रुपए का मूल्य दर्शाया गया है, वह असल में मिल के मजदूरों को चुकाए गए भुगतान में निगम की हिस्सेदारी के रूप में जोड़ा गया है। इसका मतलब यह है कि जमीन की बिक्री से प्राप्त राशि सीधे मजदूरों के भुगतान के लिए इस्तेमाल हो गई, जिससे नगर निगम को कोई अलग से धनराशि प्राप्त नहीं हुई। इस पूरे प्रकरण ने नगर निगम के वित्तीय हितों को एक अलग दिशा में मोड़ दिया है, जिससे नगर निगम को तत्काल कोई आर्थिक लाभ नहीं हो सका।

भ्रष्टाचार के खिलाफ सड़क पर उतरी कांग्रेस

कमिश्नर कार्यालय पर किया जंगी प्रदर्शन

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर में नगर निगम में भ्रष्टाचार और टोल पर हजारों करोड़ रुपए के घोटाले के आरोपी सौरभ शर्मा सहित तीन आरोपियों की जमानत के विरोध में कांग्रेस ने इंदौर संभाग आयुक्त कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। बुधवार को इंदौर संभाग आयुक्त कार्यालय के बाहर सभी कांग्रेसी जुट गए थे। एहतियात के तौर पर पुलिस ने वाटर कैनन और बेरिकेडिंग की व्यवस्था की। सुरक्षा के लिए पुलिस अफसर-जवान भी मुस्तैद रहे। प्रदर्शन में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी, पूर्व मंत्री सज्जनसिंह वर्मा सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसी मौजूद रहे। कांग्रेस ने नगर निगम में भ्रष्टाचार पर इंदौर महापौर, टोल पर हजारों करोड़ के घोटाले के आरोपी सौरभ शर्मा की जमानत पर लोकायुक्त और गुजरात ब्लास्ट पर प्रदेश सरकार को घेरा और कमिश्नर कार्यालय पर जंगी प्रदर्शन किया। कांग्रेस ने इंदौर नगर निगम पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया और इंदौर महापौर को एक्सीडेंटल महापौर बताया। पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा ने कहा सड़क पर थे, सड़क पर हैं, सड़क पर रहेंगे। उन्होंने कहा कि इतने बड़े भ्रष्टाचार में हजारों करोड़ वसूलीबाजों को कैसे जमानत दे दी गई। टोल पर हजारों करोड़ की वसूली सौरभ और भाजपा नेताओं ने ली है। सौरभ शर्मा सहित तीन आरोपियों की जमानत के विरोध में कांग्रेस ने 12 अप्रैल को लोकायुक्त का घेराव करने के बात कही है। इस जमानत के विरोध में उन्होंने 5 अप्रैल को पुतला जलाने का ऐलान किया है।

बीजेपी पर जमकर बरसे पटवारी

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कैलाश विजयवर्गीय और अन्य बीजेपी नेताओं को खूब खरीझखोटी सुनाई। उन्होंने जनता से सवाल पूछे कि आपने यहां बीजेपी से सांसद और महापौर कई बार दिया। आपने इस बार सारे विधायक भी बीजेपी को दिए। वहीं, जब बीजेपी के एक पार्षद ने दूसरे बीजेपी पार्षद के बेटे को निर्वस्त्र किया तो सवाल हमसे क्यों। पीसीसी चीफ पटवारी ने कहा कि आपका बेटा जब नशा करने के लिए स्मैक, ड्रग, कोरेक्स लेकर घर पहुंचता हैं वह कहां से लाता है। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा था कि ड्रग्स के खिलाफ मुहिम चलाऊंगा। थोड़े दिन उनको जोश आया था, उसके बाद वो सो गए। अगर आपका बेटा घर में नशा कर रहा है तो उसका दोषी कौन है। ये जो 25 साल से बीजेपी नेता सत्ता में बैठे हैं ये ही तो हैं। आपके बेटे के घर या परिवार में कोई गुंडागर्दी करने आता है, कोई आपकी जमीन, मकान या संपत्ति पर कब्जा करने आता है तो उसका दोषी कौन है, ये भाजपा के कार्यकर्ता ही तो हैं।

विधायकों के साथ हिस्ट्रीशीटर फोटो खिंचवाते हैं

कांग्रेस अध्यक्ष पटवारी ने कहा कि आज कल जो अखबारों में विज्ञापन आते हैं उन्हें देखिए। पहले गुंडों के विज्ञापन अखबारों में आते थे तो अखबार मना कर देते थे कि इंदौर शहर मां अहिल्याबाई की नगरी है। लेकिन इंदौर में सीएम मोहन यादव के जन्मदिन पर अखबारों में विज्ञापन आए। तो जो गुंडे हैं हिस्ट्रीशीटर हैं जिनके फोटो थाने में लगे हुए हैं उन्होंने विज्ञापन दिए हैं। अरे यह कैसा शहर बन रहा है। एक और दो नंबर में भाजपा के विधायक जनता ने चुने। एक विधायक मंत्री बने, दोनों विधायकों के साथ हिस्ट्रीशीटर फोटो खिंचवाते हैं। पूर्व सांसद सुमित्रा महाजन के शोरूम को फोड़ दिया और हिसाब कांग्रेस दे। गुंडे भाजपा के और हिसाब कांग्रेस के नेताओं से मांगा जा रहा है।

पटवारी ने दिया विजयवर्गीय को जवाब

कैलाश विजयवर्गीय के बयान पर पटवारी ने कहा कि, उन्हें जो पद मिला है वह उनके सिर पर आ जाता है। वे कहते हैं कि जीतू पटवारी कोई नेता है क्या, तो मैं बताना चाहता हूं कि मैं कोई नेता नहीं विपक्ष का कार्यकर्ता हूं। हमारा काम है सवाल करना और उनका काम है जवाब देना। उनका यह अहंकार है और अहंकार तो रावण का भी नहीं रहा। इनके जिस तरह के जवाब आते हैं तो इससे यह पता चलता है कि करप्ट लोगों के सिर पर रावण चढ़ गया है। भाजपा के चर्चा करने की बात पर पटवारी का कहना था कि चर्चा करने कब आना है बता दें मैं तैयार हूं। वे बोले कि इंदौर नगर निगम के भ्रष्टाचार को लेकर वे उनके कार्यालय भी बुलाएंगे तो मैं आऊंगा।

धोखेबाजों के लिए कांग्रेस में कोई जगह नहीं

प्रदर्शन के दौरान पीसीसी चीफ पटवारी ने कहा कि एक अलग तरह की कांग्रेस तैयार हो रही है, जिसको लेकर पहला सेशन सारे जिलाध्यक्षों को दिल्ली बुलाकर लिया जाएगा। मप्र में भी 10 मई से 20 मई के बीच ट्रेनिंग होगी। इस बीच हमारा नया संगठन भी बन रहा है। ब्लॉक और जिला अध्यक्षों के जितने भी बदलाव होंगे वे इसी बीच होंगे। कांग्रेस का लोकतंत्र को बचाने का अभियान चल रहा है। दल बदलू नेताओं पर वे बोले कि जो लोग धोखा देकर गए उनके लिए कांग्रेस में कोई जगह नहीं है, लेकिन जो लोग नए हैं उनका कांग्रेस में स्वागत है।

साधना नगर जिनालय पर आयोजित आठ दिवसीय जैनत्व बाल संस्कार शिक्षण शिविर का समापन

साधना नगर जिनालय है संस्कारों का एक वट वृक्ष

महावीर जैन । सिटी चीफ

इन्दौर. जहां सारा शहर लौकिक शिक्षा की ओर भागता जा रहा है, वहीं बच्चों को सुसंस्कारवान बनाने के लिये श्री दि. जैन कुन्दकुन्द परमागम ट्रस्ट, साधना नगर, ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री विजय बड़जात्या एवं सहयोगियों के प्रयास से पिछले 24वर्षों से लगातार जैनत्व बाल संस्कार शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस 25वें रजत जयंति वर्ष भी आठ दिवसीय जैनत्व बाल संस्कार शिक्षण शिविर का शुभारंभ 23 मार्च 2025 से हुआ। जैनत्व बाल संस्कार शिविर के अंतर्गत साधना नगर जिनालय पर आयोजित आठ दिवसीय शिविर का समापन दिनांक 30.03.2025 रविवार को प्रातः 09:00 से 11:30 बजे तक श्री चंदाप्रभु मांगिलक भवन सम्पन्न में हुआ। ट्रस्ट के अध्यक्ष विजय बड़जात्या एवं महामंत्री सुशील काला ने बताया कि कार्यक्रम में लगातार आठ दिनों तक शिक्षा प्रदान करने वाले बाहर से पधारे विद्वानों का अतिथियों द्वारा सम्मान किया गया एवं साथ ही शिविर के दौरान विभिन्न कक्षाओ में सर्वश्रेष्ठ बालक-बालिकाओं को उपहार एवं प्रमाण-पत्र देकर पुरस्कृत किया गया। साथ ही संपूर्ण शिविर में 3 छात्रों को शिविर प्रतिभा सम्मान से भी सम्मानित गया। इसके पूर्व सभी बच्चों की परीक्षायें आयोजित की गई। शिविर के दौरान लगभग 550 बच्चों को जैन धर्म के संस्कारों का रोपण किया। आठ दिवसीय इस संस्कार शिविर में बच्चों को चरित्रवान बनाने के प्रत्येक गुणों का बीजारोपण किया गया। बच्चे प्रथम दिन से निर्धारित समय के अनुसार मंदिरजी प्रांगण में उपस्थित हो जाते थे। उनके आने-जाने की व्यवस्था के लिये ट्रस्ट द्वारा बस की सुविधा भी उपलब्ध करवाई गई थी। सभी बच्चों को पूजन के बाद नाश्ता दिया जाता था। उसके बाद सभी की एक सामूहिक कक्षा का आयोजन होता था। जिसमें सभी बच्चों को नैतिकता के प्रमुख अंगो के साथ ही आचरण

संबंधी पाठ पढ़ाया जाता था। उसके पश्चात अलग अलग कक्षायें और अंत में सामूहिक भोजन के बाद बच्चें वापिस अपने-अपने गंतव्य की ओर प्रस्थान करते थे। इस आठ दिवसीय शिविर में बच्चों द्वारा विभिन्न प्रतिभा प्रतिस्पर्धा का आयोजन भी किया गया। शिविर के दौरान शहर के कई वरिष्ठ समाजसेवी अवलोकनार्थ पधारे।

समाजजन, श्रेष्ठीजन व विद्वतवर्ग की उपस्थिती में कार्यकर्ताओं के उत्साह के साथ सम्पन्न हुये इस शिविर में पं. रीतेशजी शास्त्री सनावद एवं पं. अशोकजी शास्त्री राधौगढ़ की प्रमुख भूमिका के साथ पं. टोडरमल स्मारक विद्यालय के शास्त्री विद्वान, साथ ही बांसवाडा, कोटा एवं आत्मार्थी विद्यालय दिल्ली के विद्वानों की उपस्थिती में यह शिक्षा का यह अभियान होता आया है। बच्चों में जैनत्व एवं जीवनोपयोगी संस्कार डालने का यह आज देश में सर्वाधिक सफल आयोजन में से एक है।

शिविर के मुख्य संयोजक विजय जी बड़जात्या ने बताया कि इस शिविर की यह मुख्यता रही है कि ''यह शिविर पिछले 24 सालों से लगातार संचालित हो रहा है। यह ही एक ऐसी संस्था है जो इस प्रकार की गतिविधी लगातार संचालिक कर रही है और यह शिविर पूर्णतः निःशुल्क रहता है। जो कि बहुत ही गौरव की बात है।'' शिविर में आने वाले बच्चों के लिये शिविर से संबंधित प्रत्येक सामग्री निःशुल्क प्रदान की जाती है।

समापन का संचालन विजयजी बड़जात्या, पं. रीतेशजी शास्त्री ने किया। मंगलाचरण राजेशजी काला द्वारा किया गया। पुरस्कार वितरण में तेजकुमारजी गंगवाल, सुशीलजी काला एवं आमंत्रित अतिथीयों ने किया। आभार ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष पदम पहाडिया ने माना। अध्यक्ष विजय बड़जात्या ने सभी बच्चों को अगले वर्ष पुनः इसी उत्साह से फिर मिलने की मंगल भावना एवं स्वीकृति बच्चों से ली।

इस शिविर को सफलता के शिखर पर लाने के लिये अनेक सहयोगियों का साथ रहा है। इसकी अलग-अलग व्यवस्था के लिये छोटी-छोटी समितियों का गठन किया गया, जिसमें भोजन व्यवस्था के लिये सुनील जैन, लादूलाल काला, जितेन्द्र जैन, मनोज जैन, प्रकाश जैन नरसिंगपुरा, मनोज पंडया, जिनेन्द्र जैन, रुपेश अजमेरा, ललित गंगवाल, निलेश जैन, अनिल जैन बेडिया, संजय कागदी आदि थे। विद्वतवर्ग व्यवस्था के लिये रीतेश जैन, मनीष वत्सल, राजकुमार जैन, योगेश जैन, अर्पित अजमेरा। किट वितरण एवं कक्षा व्यवस्था में उमंग जैन, ज्ञाता जैन यातायात व्यवस्था के लिये योगेश पंचोली, मनोज पाटनी, राजकुमार जैन, आशीष जैन, पंकज जैन, निलेश जैन, मधु कासलीवाल, पिंकी जैन। मीडिया व प्रचार-प्रसार हेतु महावीर जैन, भावेश जैन के साथ अन्य सभी साधर्मीजनों व सहयोगियों ने पूर्णतः साथ दिया। साथ ही साथ महिला मंडल की सभी सदस्या इन्द्रा बड़जात्या, मीनल बड़जात्या, भावना जैन, शोभाजी काला, नीलू गंगवाल, आराधना कागदी, प्रेरणा संघवी, संगीता जैन, शिरोमणी जैन व अन्य एवं यंग जैन प्रोफेशनल, अखिल भारतीय जैन युवा फैडरेशन के सभी युवा साथियों का पूरे जोश के साथ सहयोग मिलता रहा, जो कि बहुत ही सराहनीय था। उपरोक्त समस्त जानकारी विजयजी बड़जात्या ने दी।

स्कूल चलें हम अभियान के तहत 'भविष्य से भेंट' कार्यक्रम

कलेक्टर ने बच्चों को पढ़ाया, स्कूल की प्रार्थना में हुए शामिल

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर में बुधवार को स्कूल चलें हम अभियान के तहत 'भविष्य से भेंट' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के तहत प्रशासनिक अधिकारी अलग-अलग स्कूलों में पहुंचे, बच्चों से बातचीत की, उनसे सवाल पूछे और उन्हें शिक्षा का महत्व समझाया। कलेक्टर आशीष सिंह सुबह सीएम राइज शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, मूसाखेड़ी पहुंचे और बच्चों को पढ़ाया। उन्होंने पहले

स्कूल की प्रार्थना में हिस्सा लिया, फिर कक्षा 10वीं में बच्चों को पढ़ाने गए।

कक्षा में पहुंचते ही उन्होंने शिक्षक से पूछा कि यह कौन सी क्लास है? शिक्षक ने बताया कि ये छात्र 9वीं पास कर 10वीं में आए हैं। इस पर कलेक्टर बोले, 'कल इनका 10वीं का पहला दिन रहा होगा।' कलेक्टर ने पढ़ाई के दौरान बच्चों से कहा कि यह तय करना बहुत जरूरी है कि आगे चलकर आप क्या बनना चाहते हैं। जब तक आप सोचेंगे नहीं मंजिल ही तय नहीं करेंगे तब तक वहां पहुंचेंगे कैसे?

उन्होंने बताया कि आजकल कई तरह प्रकार के जॉब आ गए है प्राइवेट सेक्टर में भी। सिर्फ डॉक्टर, इंजीनियर, आईएएस या आईपीएस ही नहीं, बल्कि प्राइवेट सेक्टर में भी कई अच्छे जॉब हैं। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उदाहरण देते हुए कहा कि इस क्षेत्र में भी कई नए अवसर हैं। इसके बाद उन्होंने छात्रों से पूछा कि इस साल कितने बच्चों ने इस स्कूल में एडमिशन लिया है। इस पर कई छात्रों ने हाथ उठाया और अपने पुराने स्कूलों के नाम बताए।

छात्रा ने जताई प्रधानमंत्री बनने की इच्छा

कलेक्टर ने छात्रों से पूछा कि वे बड़े होकर क्या बनना चाहते हैं। इस पर एक छात्रा ने कहा कि वह डॉक्टर बनना चाहती है, जबकि एक अन्य लड़की ने कहा कि वह प्रधानमंत्री बनना चाहती है। यह सुनकर कलेक्टर खुश हुए और बोले, वाह! क्या बात है, बहुत बढ़िया! इसके बाद एक छात्रा ने कहा कि वह टीचर बनना चाहती है। इस पर कलेक्टर ने कहा कि शिक्षक बनकर आप कई बच्चों का भविष्य संवार सकते हैं, यह बहुत अच्छी बात है। इसके अलावा, एक छात्रा ने इंजीनियर बनने की इच्छा जताई, तो दूसरी ने कहा कि वह आईएएस बनना चाहती है। प्रधानमंत्री बनने की इच्छा रखने वाली छात्रा काव्या सिंह के साथ कलेक्टर ने फोटो भी खिंचवाई और मजाक में कहा कि फोटो ले लो, क्या पता कल यह सच हो जाए!

सौरभ शर्मा की जमानत के विरोध में कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। एक दिन पहले परिवहन विभाग के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा को जमानत मिलने का कांग्रेस पार्टी लगातार विरोध कर रही है। बुधवार को पीसीसी में कांग्रेस के प्रदेश मीडिया प्रभारी मुकेश नायक ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर लोकायुक्त को भंग करने की मांग की। वहीं कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदेश कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन भी किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने लोकायुक्त का पुतला भी जलाया। पुलिस के पुतला छीनने के दौरान जमकर धक्का मुक्की भी हुई। कांग्रेस ने कहा कि लोकायुक्त 60 दिन में चालान पेश नहीं कर सकी, ऐसी संस्था किस काम की जो

चालान नहीं पेश कर पाई।

दिल्ली के डिप्टी सीएम को 6 महीने नहीं मिली जमानत

मुकेश नायक ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रदेश में खुलेआम भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है। साथ ही कहा कि दिल्ली के डिप्टी सीएम को छह महीने जमानत नहीं मिलती, लेकिन एक पूर्व कांस्टेबल जो भ्रष्टाचार में रंगे हाथों पकड़ा गया उसे जमानत मिल गई। उन्होंने कहा कि प्रदेश में खुलेआम भ्रष्टाचार चल रहा है। जिन अधिकारियों के कारण चालान पेश नहीं हुआ उन पर कार्रवाई होना चाहिए। लोकायुक्त तत्काल भंग कर दूसरी संस्था बननी चाहिए, जिससे सही तरह से जांच हो सके।

60 दिन में चालन क्यों नहीं हुआ पेश

नायक ने कहा कि बीजेपी जनता की आंखों में धूल झोंकने में लगी हुई है। हम सरकार से पूछना चाहते हैं कि 60 दिन में चालान पेश क्यों नहीं किया। जांच के बीच में लोकायुक्त डीजी जयदीप प्रसाद को क्यों हटाया गया। भ्रष्टाचार के मामले में 576 मामलों में अभियोजन की स्वीकृति क्यों नहीं दे रही है। मुकेश नायक ने आगे कहा कि लोकायुक्त पहरेदार होने की बजाय हिस्सेदार हो गई है। ऐसी संस्था को भंग कर देना चाहिए, जो भ्रष्टाचार में शामिल हो गई है। सौरभ शर्मा मामले की जांच हाईकोर्ट की निगरानी में होनी चाहिए।

सरकार से पूछे सवाल

1. सौरभ शर्मा मामले में चालान पेश न करने की नाकामी के पीछे कौन जिम्मेदार है?
2. जयदीप प्रसाद का ट्रांसफर क्या इस मामले को दबाने की साजिश का हिस्सा है?
3. भ्रष्टाचार के अनेक मामलों में अभियोजन की अनुमति रोककर सरकार भ्रष्टाचारियों को संरक्षण क्यों दे रही है?
4. लोकायुक्त की बार-बार नाकामी के बावजूद इस भ्रष्ट संस्था को क्यों ढोया जा रहा है?

काग्रेस की मांग

1. सौरभ शर्मा मामले की निष्पक्ष जांच हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की निगरानी में हो।
2. जयदीप प्रसाद के ट्रांसफर और समयावधि में चालान पेश नहीं करने के कारणों की विस्तृत जांच हो।
3. लोकायुक्त संस्था को तत्काल भंग कर इसकी जगह एक स्वतंत्र और प्रभावी संस्था का गठन किया जाए।

38 हजार बसाहटें अब भी बिना सड़क... तीन साल में जुड़ेंगी

मप्र ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण की बैठक में सीएम ने दिए निर्देश

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में मध्य प्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण की बैठक में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के कार्यों की समीक्षा की। बैठक में पंचायत एवं ग्रामीण विकास एवं श्रम मंत्री प्रहलाद पटेल भी शामिल थे। बैठक में बताया गया कि प्रदेश की 89 हजार बसाहटों में से अभी 50 हजार 658 बसाहटों तक सड़क संपर्क सुनिश्चित किया गया है। यानी 38 हजार 342 बसाहटों तक सड़क संपर्क नहीं है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अधिकारियों को अगले तीन साल में प्रदेश की सभी बसाहटों को सड़क से जोड़ने के निर्देश दिए।

11 हजार 544 बसाहटों के लिए सर्वे का कार्य पूरा

बैठक में बताया गया कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना-4 के अंतर्गत बनने वाली 11 हजार 544 बसाहटों के लिए सर्वे का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। शेष 26 हजार 798 बसाहटों की कनेक्टिविटी के लिए राज्य सरकार द्वारा पहल की जा रही है।बता दें, राज्य के कई दूरदराज के इलाके आज भी सड़क संपर्क से अछूते हैं, जिससे वहां के निवासी खासकर आपातकालीन स्थिति में चिकित्सा, शिक्षा, और सरकारी सेवाओं तक पहुंचने में परेशानियां झेलते हैं। इसके अलावा, व्यापारिक गतिविधियां और ग्रामीण विकास कार्यों में भी रुकावटें आती हैं। यह समस्या खासकर आदिवासी क्षेत्रों, पहाड़ी क्षेत्रों और वन्य क्षेत्रों में अधिक देखने को मिलती हैं।

क्षतिग्रस्त मार्गों का रखरखाव गंभीरता से करें

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अधिकारियों को अतिवृष्टि, बाढ़ तथा अन्य कारणों से क्षतिग्रस्त मार्गों की मरम्मत और उनके रखरखाव पर गंभीरता से काम करने को कहा। उन्होंने कहा कि सड़कों के रख-रखाव और नियमित निरीक्षण में मोबाइल एप, जियो टैगिंग तथा एआई टेक्नॉलोजी का उपयोग कर इसे अधिक प्रभावी बनाया जाए। सड़कों पर वर्तमान यातायात का सर्वे कर निर्माण और लेन विस्तारीकरण का कार्य प्राथमिकता के आधार पर किया जाए।

प्रदेश में लागू ई-मार्ग पोर्टल की राष्ट्रीय स्तर पर सराहना

बैठक में जानकारी दी गई कि प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत पांडाटोला से बीजाटोला तक देश की पहली सड़क का निर्माण बालाघाट जिले के परसवाड़ा क्षेत्र में किया गया है। सड़कों के रखरखाव के लिए भारत सरकार से प्रोत्साहन राशि प्राप्त करने में प्रदेश, देश में प्रथम रहा है। प्रदेश में मार्गों के संधारण के लिए वर्ष 2015-16 से लागू ई-मार्ग पोर्टल की राष्ट्रीय स्तर पर सराहना हुई तथा केंद्र सरकार द्वारा इसे संपूर्ण देश में नेशनल ई-मार्ग के रूप में लागू किया गया है।

सोशल मीडिया पर दोस्ती कर इंजीनियरिंग छात्र ने नाबालिग से किया दुष्कर्म

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। पिपलानी थाना क्षेत्र में एक इंजीनियरिंग छात्र द्वारा सोशल मीडिया पर दोस्ती कर दसवीं की छात्रा के साथ दुष्कर्म किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। तीन दिन पहले पेट में दर्द उठने के बाद छात्रा को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां पता चला कि वह गर्भवती है। उसके बाद मामले की जानकारी पुलिस को दी गई। पुलिस आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास कर रही है।जानकारी के अनुसार 17 वर्षीय पीड़िता बागसेवनिया इलाके में रहती है और दसवीं कक्षा में पढ़ती है। करीब छह महीने पहले सोशल मीडिया के माध्यम से उसकी दोस्ती अजय गुप्ता नामक युवक से हुई थी। अजय पिपलानी इलाके में किराए से रहता है और निजी कॉलेज से इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहा है। इंस्टाग्राम पर दोस्ती होने के बाद उनके बीच चैटिंग और फोन पर बातचीत होने लगी। पीड़िता ने पुलिस को दिए बयान में बताया है कि तीन महीने पहले अजय ने उसे मिलने के लिए बुलाया था। वह मिलने पहुंची तो अजय उसे अपने किराए के कमरे पर लेकर गया और उसकी मर्जी के बगैर शारीरिक संबंध बनाए। उसके बाद भी उसने कई बार शारीरिक शोषण किया।

पेट में दर्द उठा तो अस्पताल लेकर पहुंचे परिजन

परिजनों के अनुसार तीन दिन पहले किशोरी के पेट में दर्द उठा तो वे उसे इलाज के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां पता चला कि छात्रा गर्भवती है। अस्पताल प्रबंधन ने इसकी जानकारी बागसेवनिया पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने पीड़िता की रिपोर्ट पर शून्य पर केस दर्ज कर डायरी पिपलानी थाने भेज दी। पिपलानी पुलिस ने आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट समेत विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर लिया है। आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि कहीं आरोपी ने पीड़िता के अश्लील एमएमएस तो नहीं बनाए हैं। हालांकि, इसका खुलासा आरोपी की गिरफ्तारी के बाद होगा।

ईद मनाकर घर लौट रही छह साल की मासूम को ट्रक ने कुचला, मौत, पिता गंभीर रूप से घायल

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। गुनगा इलाके में बीती रात एक तेज रफ्तार ट्रक ने पिता-पुत्री को टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल हुई बच्ची की हमीदिया अस्पताल में मौत हो गई, जबकि पिता का इलाज चल रहा है। पुलिस ने टक्कर मारने वाले ट्रक को जब्त कर लिया है, जबकि फरार चालक की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। हादसे के समय पिता-पुत्री बैरसिया जाने के लिए साधन का इंतजार कर रहे थे, जबकि ट्रक गल्ला भरने के लिए मंडी की तरफ जा रहा था। थाना प्रभारी हरिसिंह वर्मा ने बताया कि आमना अली पुत्री सैय्यद जाहिद अली (6) शेरपुरा बैरसिया की रहने वाली थी। सोमवार को वह पिता के साथ सीहोर में रहने वाले एक रिश्तेदार के यहां ईद मनाने गई थी। वहां से लौटने के बाद मंगलवार की शाम को वह अपने परिवार के साथ ग्राम रुसल्ली में रहने वाले रिश्तेदार के यहां पहुंची थी। रात करीब ग्यारह बजे पूरा परिवार बैरसिया वापस लौटने के लिए रुसल्ली चौराहे पर साधन का इंतजार कर रहा था। उस वक्त आमना के साथ परिवार को अन्य बच्चे भी थे। इस दौरान भोपाल से बैरसिया की तरफ जा रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने सड़क किनारे खड़ी आमना अली और उसके पिता मोहम्मद जाहिद अली को टक्कर मार दी, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल पहुंचाया गया, जहां बच्ची आमना ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

कपड़े की दुकान चलाते हैं पिता

हादसे में गंभीर रूप से घायल जाहिद अली का अस्पताल में इलाज चल रहा है। टीआई वर्मा ने बताया कि टक्कर मारने वाले ट्रक को जब्त कर लिया गया है। घटना के समय चालक ट्रक लेकर भोपाल से बैरसिया गलला मंडी अनाज भरने के लिए जा रहा था। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जाहिद बैरसिया में गारमेंट्स की दुकान चलाते हैं। ईद के मौके पर जाहिद अपनी पत्नी और मासूम बेटी को लेकर सीहोर में रहने वाली बहन के घर गए थे। वहां से अन्य रिश्तेदारों के यहां जाने के बाद घर लौटते समय हादसे का शिकार हो गए।

सतपुड़ा में बाबू को सस्पेंड किए जाने पर नारेबाजी, प्रदर्शन

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। सतपुड़ा भवन में आदिम जाति कल्याण विभाग के कमिश्नर से नाराज कर्मचारियों ने बुधवार को दफ्तर में जमकर हंगामा कर दिया। कर्मचारियों की नाराजगी एक बाबू को सस्पेंड किए जाने को लेकर थी। नाराज कर्मचारियों की नारेबाजी और प्रदर्शन के बीच आखिरकार अफसरों को समझौता बैठक बुलानी पड़ी। लेकिन प्रदर्शन कर रहे कर्मचारी बंद कमरे में चर्चा करने को लेकर तैयार नहीं हुए। मंत्रालय के समीप सतपुड़ा भवन में यह हंगामा बुधवार सुबह दफ्तर खुलने के साथ शुरू हुआ। इसके बाद एकजुट हुए कर्मचारी अधिकारी के विरुद्ध प्रदर्शन और नारेबाजी करने के लिए एकजुट हो गए। जमकर हंगामे और नारेबाजी के बीच कर्मचारियों के विरोध को देखते हुए दोपहर 12 बजे अधिकारी इस मामले में समझौता बैठक के लिए तैयार हुए। लेकिन कर्मचारी संगठन और कर्मचारी बंद कमरे में बैठक करने के बजाय खुले में चर्चा करने के लिए दबाव बनाते रहे। घटना को लेकर कर्मचारियों का कहना है कि आज सुबह आदिम जाति कल्याण विभाग के कमिश्नर श्रीमन शुक्ला ने एलडीसी हर्षपाल को फोन किया और कहा कि जल्दी आफिस आ जाओ, आदेश टाइप करना है। बाबू हर्षपाल ने कहा कि आता हूं। इसके बाद वह दस बजे पहुंचा तो कमिश्नर शुक्ला ने उसे डांटते हुए सस्पेंड करने की जानकारी दी और भला बुरा कहा। बोतल उस पर फेंककर मारी। इसके बाद कर्मचारियों को जानकारी लगने पर सभी एकजुट हो गए और हंगामा कर नारेबाजी करने लगे। विवाद बढ़ता देख कमिश्नर शुक्ला ने पुलिस बुला ली लेकिन तब भी हंगामा नहीं थमा। इसके बाद कर्मचारियों और अधिकारियों के बीच बैठक कर समझौता करने का निर्णय हुआ लेकिन समझौता हो नहीं सका है।

नगर निगम का बजट आज आएगा, 10 से 15% बढ़ सकता है जल और प्रॉपर्टी टैक्स

भोपाल। नगर निगम का 3 अप्रैल को बजट बैठ होगी। बजट बैठक में प्रॉपर्टी और जल टैक्स में 10 से 15त्न बढ़ोतरी की संभावना जताई जा रही है। हालांकि विपक्ष इसका लगातार विरोध कर रहा है। दरअसल तीन साल पहले जलकर बढ़ाया गया था। जिसमे जलकर 15 फीसदी यानी, 30 रुपए की बढ़ोतरी की गई थी। अबकी बार भी 10 फीसदी तक जलकर बढ़ सकता है। प्रॉपर्टी और जल टैक्स में बढ़ोतरी के पीछे नगर निगम की आर्थिक तंगी बताई जा रही है। अगर 3 साल बाद अब जलकर की राशि में 10 प्रतिशत की वृद्धि होती है तो,शहरवासियों को प्रति माह 230 से 240 रुपए तक देना पड़ सकता हैं। अभी 210 देने पड़ते हैं। यानी 20 से 30 रुपए की बढ़ोतरी हो सकती है। मार्च 2022 को आखिरी बार जलकर बढ़ा था। तब 180 की जगह जलकर के रूप में प्रति माह 210 रुपए लिए जाने का निर्णय हुआ था। वहीं प्रॉपर्टी टैक्स में भी बढ़ोतरी होने की बात कही जा रही है। जिन लोगों के मकान 2400 स्क्वायर फीट तक क्षेत्र में बने हैं, उनसे 210 रुपए प्रतिमाह लिए जा रहे हैं। तीन साल पहले प्रतिमाह 30 रुपए की बढ़ोतरी हुई थी। वहीं, जो मकान 2400 स्क्वायर फीट से अधिक क्षेत्र में बने हैं,

गौतम नगर-वेदवती कॉलोनी में आज बिजली कटौती, भोपाल के 50 इलाकों में असर

भोपाल। राजधानी के करीब 50 इलाकों में गुरुवार को 30 मिनट से 6 घंटे तक बिजली कटौती होगी। यहां बिजली कंपनी मेंटेनेंस करेगी। जिन इलाकों में बिजली गुल रहेगी, उनमें गौतम नगर, वेदवती कॉलोनी, नेहरू नगर, बीडीए कॉलोनी, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, नारियल खेड़ा, कमला नगर जैसे कई बड़े रहवासी इलाके भी शामिल हैं। इन इलाकों में पड़ेगा असर- सुबह 6 से 6.30 बजे तक बीडीए कॉलोनी, एलआईजी, एमआईजी, एचआईजी, सिल्वर स्टेट, स्प्रिंग वैली, गोल्डन पाम एवं आसपास। सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक नेहरू नगर डीआरपी लाइन, मेहता मार्केट, बीडीए कॉलोनी, राजपूत ढाबा, नक्षत्र इन्क्लेव, सुरभि विहार, इंडस, विद्या सागर, वर्धमान ग्रीन वैली, कमला नगर, छप्पन क्वार्टर, टीला, गौतम नगर, नारियल खेड़ा, पीपल चौराहा, प्रेम नगर, गणेश नगर, रविदास मंदिर, कोटरा सुल्तानाबाद, शबरी नगर, सरस्वती नगर, इंद्रानगर एवं आसपास।

सेमरा में शराब दुकान बंद कराने स्कूली बच्चे और महिलाएं मैदान में

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। राजधानी में इन दिनों अगल-अलग क्षेत्रों नें शराब की दुकान खुलने का विरोध देखने को मिल रहा है। अब तो बच्चे भी विरोध में सड़कों पर उतर आए हैं। बुधवार को भोपाल के सेमरा साईंराम कॉलोनी में भी शराब दुकान खुलने का विरोध देखने को मिला। यहां कलारी बंद कराने के लिए स्कूली बच्चे और महिलाएं भी मैदान में उतर गई हैं। बच्चों ने हाथों में तख्तियां लेकर इलाके में रैली भी निकाली और दुकान के सामने ही प्रदर्शन किया। इसके बाद रहवासियों ने सुंदरकांड का पाठ शुरू कर दिया ताकि, दुकान दूसरी जगह शिफ्ट हो सके।

स्कूल-धार्मिक स्थल के साथ रहवासी इलाका

रहवासियों का कहना है कि अभी जिस जगह दुकान है, वहां स्कूल-धार्मिक स्थल के साथ रहवासी इलाका भी है। ऐसे में हर रोज रहवासी परेशान हो रहे हैं। इसे दूसरी जगह शिफ्ट किया जाना चाहिए। प्रदर्शन कर रहे जीतू मलोटिया ने बताया कि स्टेशन रोड स्थित सांई राम कॉलोनी सेमरा गेट मुख्य मार्ग पर शराब दुकान है। यह धार्मिक स्थल और स्कूल के नजदीक है। इस दुकान के सभी दस्तावेज चांदबड़ के नाम से हैं बावजूद इसके यह सांई राम कॉलोनी में है। इन दुकानों से विजय नगर, सांई राम कॉलोनी, बाबू कॉलोनी, लक्ष्मीपुरी, सेमरा के हजारों लोग हर रोज परेशान हैं, इसलिए दुकान को अन्य जगह पर शिफ्ट करने की मांग कर रहे हैं।

जनसुनवाई में 3 बार कर चुके शिकायत

सेमरा साईंराम कॉलोनी के लोग पिछली 3 जनसुनवाई में शराब दुकान को अन्य जगह पर शिफ्ट करने की भी मांग कर चुके हैं। पिछले दिनों कई महिलाएं हाथों में तख्तियां लेकर अफसरों के पास पहुंची थी। महिलाओं ने जल्द दुकान शिफ्ट नहीं होने पर आंदोलन करने की चेतावनी भी दी थी। उनका कहना था कि कई बार शराबी गंदी हरकतें करते हैं, जिससे बच्चों और महिलाओं को परेशानी होती है।

गुरुवार तक चलेगा सुंदरकांड

प्रदर्शन कर रहे मलोटिया ने बताया सुंदरकांड का पाठ कल यानी गुरुवार तक चलेगा, बावजूद दुकान शिफ्ट नहीं होती है तो उग्र प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होने बताया कि कई बार शिकायत कर चुके हैं, लेकिन सिर्फ आश्वासन ही मिलता है। इसके चलते अब उन्होंने सुंदरकांड, धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया है।

सम्पादकीय

भोजन, हवा और पानी में माइक्रोप्लास्टिक का दखल

प्लास्टिक कणों के हस्तक्षेप के चलते पौधों के भोजन सृजन की प्रक्रिया बाधित हो रही है। माइक्रोप्लास्टिक का दखल भोजन, हवा व पानी में होना मानव अस्तित्व के लिये गंभीर खतरे की घंटी ही है। इसे बेहद गंभीरता से लिया जाना चाहिए। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि देश में सिंगल यूज प्लास्टिक के प्रयोग पर प्रतिबंध के बावजूद ये खुलेआम बिक क्यों रहा है? दुकानदारों व उपभोक्ताओं को तो इसके उपयोग पर दंडित करने का प्रावधान है, लेकिन सिंगल यूज प्लास्टिक उत्पादित करने वाले उद्योगों पर प्रतिबंध क्यों नहीं लगाया जाता? संकट का एक पहलू यह भी है कि लोग सुविधा को प्राथमिकता देते हैं,लेकिन प्लास्टिक के दूरगामी घातक प्रभावों को लेकर आंख मूंद लेते हैं। यह संकट हमारी जिम्मेदार नागरिक के रूप में भूमिका की जरूरत भी बताता है।

हाल के दिनों में वैज्ञानिकों की एक टीम ने स्ट्रोक, दिल का दौरा और डीप वेन थ्रोम्बोसिस (डीवीटी) के बाद 80 प्रतिशत रक्त के थक्कों में माइक्रोप्लास्टिक का पता लगाया है और आशंका व्यक्त की है कि इन घातक बीमारियों में उनका योगदान हो सकता है। अमेरिका में जॉन्स हॉपकिंस विश्वविद्यालय में ऑन्कोलॉजी के एसोसिएट प्रोफेसर तातियाना प्रोवेल ने एक्स पर लिखा कि दिल के दौरे, स्ट्रोक या डिप वीनस थ्रॉम्बोसिस के बाद रक्त वाहिकाओं से निकाले गए 80 प्रतिशत थक्कों में माइक्रोप्लास्टिक पाया गया। यह वाकई बुरी खबर है। तमाम नए राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय शोध-सर्वेक्षण चेतावनी दे रहे हैं कि हमारी सांसों, पेयजल व फसलों में घातक माइक्रोप्लास्टिक की मौजूदगी है। विश्व की कई शोध पत्रिकाओं में छपे शोध-लेख समय-समय पर विभिन्न अध्ययनों के चेताने वाले निष्कर्ष प्रकाशित करते रहते हैं। यह बात अलग है कि कई निष्कर्षों को लेकर विदेशी बाजार व कारोबारियों के लक्ष्य भी होते हैं। चिंता की बात यह भी है कि विकासशील देशों में सरकारें रोटी, कपड़ा व मकान जैसी मूलभूत सुविधाओं के जुगाड़ में लगे रहने और गरीबी की समस्या से जूझते हुए, स्वास्थ्य के उन उच्च गुणवत्ता मानकों को वरीयता नहीं दे पाती, जो अंतरराष्ट्रीय मापदंडों के अनुरूप हों। ऐसा ही एक अध्ययन जर्मन ब्रिटिश अकादमिक कंपनी स्प्रिंग नेचर द्वारा एक पर्यावरण विषयक पत्रिका में प्रकाशित किया गया है। शोधकर्ताओं ने केरल में दस प्रमुख ब्रांडों के बोतलबंद पानी को अध्ययन का विषय बनाया है। अध्ययन का निष्कर्ष है कि प्लास्टिक की बोतल के पानी का इस्तेमाल करने वाले व्यक्ति के शरीर में प्रतिवर्ष 153 प्लास्टिक कण प्रवेश कर जाते हैं। निश्चय ही यह चिंता का विषय है। हालांकि, सर्वेक्षण के लिए केरल को ही चुनना और बोतलबंद पानी बेचने वाली भारतीय कंपनियों को चुनने को लेकर कई सवाल पैदा हो सकते हैं। दरअसल, अंतरराष्ट्रीय बाजार में बोतलबंद पानी बेचने का बड़ा प्रतिस्पर्धी कारोबार है। आम आदमी के मन में सवाल उठ सकते हैं कि कहीं भारतीय बोतलबंद पेय बाजार को तो निशाने पर नहीं लिया जा रहा है। दुनिया के बड़े कारोबारी देश भारत के बड़े उपभोक्ता बाजार पर ललचाई दृष्टि रखते हैं। इसके बावजूद मुद्दा गंभीर है और हमारी सरकारों को अपने स्तर पर गंभीर जांच-पड़ताल करनी चाहिए। इस दिशा में न केवल केरल बल्कि अन्य राज्यों में भी ऐसे ही अध्ययन होने चाहिए। वैसे तो एक खास वर्ग ही बोतलबंद पानी का उपयोग करता है, लेकिन पानी के अन्य स्रोतों का भी गंभीर अध्ययन किया जाना चाहिए। इसमें सरकारी जल आपूर्ति को भी शामिल करना जरूरी है। हमारे जीवन में जहर घोल रहे माइक्रोप्लास्टिक के हवा व पेड़-पौधों पर पड़ने वाले प्रभावों को लेकर भी कई अध्ययन सामने आए हैं। पिछले दिनों एक अध्ययन में मनुष्य के मस्तिष्क में प्लास्टिक के नैनो कणों के पहुंचने पर चिंता जतायी गई थी। दावा था कि प्रतिदिन सैकड़ों माइक्रोप्लास्टिक कण सांसों के जरिये हमारे शरीर में प्रवेश कर जाते हैं। सर्वविदित है कि देश के नीति-नियंताओं की कार्यस्थली दिल्ली दुनिया की सबसे ज्यादा प्रदूषित राजधानी है। कमोबेश देश के कई अन्य शहर भी दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में शामिल हैं। प्रदूषण के कारण प्लास्टिक कण हमारी जीवन प्रत्याशा को घटा रहे हैं और कैंसर जैसे कई घातक रोग साथ में दे रहे हैं। विडंबना देखिये न तो सरकारें इस गंभीर संकट के प्रति सचेत हैं और न ही अपने स्वास्थ्य के प्रति जनता जागरूक है। वहीं मुफ्त की रेवड़ियों की आस रखने वाले मतदाता इस गंभीर संकट को चुनावी मुद्दा बनाने की बात कभी नहीं करते। संकट तो यहां तक बढ़ गया है कि प्लास्टिक के कण पौधों की प्रकाश संश्लेषण प्रक्रिया को प्रभावित करने लगे हैं, जिससे खाद्य श्रृंखला में शामिल कई खाद्यान्नों की उत्पादकता में गिरावट आ रही है। ऐसा निष्कर्ष अमेरिका-जर्मनी समेत कई देशों के साझे अध्ययन के बाद सामने आया है। दरअसल, प्लास्टिक कणों के हस्तक्षेप के चलते पौधों के भोजन सृजन की प्रक्रिया बाधित हो रही है। इस तरह माइक्रोप्लास्टिक का दखल भोजन, हवा व पानी में होना मानव अस्तित्व के लिये गंभीर खतरे की घंटी ही है। इसे बेहद गंभीरता से लिया जाना चाहिए। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि देश में सिंगल यूज प्लास्टिक के प्रयोग पर प्रतिबंध के बावजूद ये खुलेआम बिक क्यों रहा है? दुकानदारों व उपभोक्ताओं को तो इसके उपयोग पर दंडित करने का प्रावधान है, लेकिन सिंगल यूज प्लास्टिक उत्पादित करने वाले उद्योगों पर प्रतिबंध क्यों नहीं लगाया जाता? संकट का एक पहलू यह भी है कि लोग सुविधा को प्राथमिकता देते हैं,लेकिन प्लास्टिक के दूरगामी घातक प्रभावों को लेकर आंख मूंद लेते हैं। यह संकट हमारी जिम्मेदार नागरिक के रूप में भूमिका की जरूरत भी बताता है।

तमिलनाडु में हिंदी विरोध का सच

पिछले लोकसभा चुनाव में बीजेपी तमिलनाडु में अपना खाता नहीं खोल पाई, लेकिन उसका गठबंधन राज्य में 18.2 प्रतिशत वोट हासिल करने में कामयाब रहा। इसमें बीजेपी का वोट 11 प्रतिशत रहा। जबकि पहले उसे तीन से पांच प्रतिशत तक ही वोट मिलता रहा। जाहिर है कि बीजेपी राज्य में अपनी जड़ें जमा रही है। बीजेपी राज्य में स्थानीय की बजाय राष्ट्रीय मुद्दों के साथ पहुंच रही है। यह भी वजह है कि स्टालिन ठेठ और आक्रामक स्थानीय मुद्दों को उभारने की कोशिश कर रहे हैं। अतीत में हिंदी और उत्तर भारत विरोध स्थानीय लोगों को गोलबंद करने का आसान जरिया रहे। इन मुद्दों पर सियासी बैटिंग डीएमके के लिए परिचित पिच रही है। इस पिच पर एक बार फिर सियासी बैटिंग करना उसे आसान लग रहा है। बीजेपी ने भी पिच तो वही अपनाई है, लेकिन उसके मुद्दे अलहदा हैं।

तमिलनाडु के बजट से रुपए के आधिकारिक हिंदी प्रतीक की विदाई और तमिलभाषा वाले प्रतीक के इस्तेमाल पर हंगामा स्वाभाविक है। दक्षिण में तमिलनाडु इकलौता राज्य है, जिसकी राजनीति तकरीबन सभी ज्वलंत मुद्दों पर बनी राष्ट्रीय सहमति से अलहदा कदम उठाती रही है। श्रीलंका के लिट्टे विद्रोहियों का मसला, हिंदी विरोध और लोकसभा सीटों के परिसीमन के मुद्दे, तमिल राजनीति की सोच राष्ट्रीय सहमति से अलग रही है। लिट्टे के खिलाफ जहां देशव्यापी गुस्सा रहा, वहीं डीएमके की राजनीति उसके प्रति राग से भरी रही। इस तरह उसने अपना एक अलग तमिल नैरेटिव रचा। रूपए के प्रतीक का तमिलकरण और हिंदी विरोध की ताजा सोच, अतीत के तमिल नैरेटिव का ही विस्तार है।

सबसे पहले आज के दौर की राजनीतिक मंशा को समझना जरूरी है। मौजूदा राजनीति का हर नया कदम और नई राजनीतिक नैरेटिव बनाने की कोशिश के परोक्ष और प्रत्यक्ष, दो उद्देश्य हैं। पहला मकसद जहां तुरंत जनभावनाओं को अपने पक्ष में मोड़कर सियासी फायदा उठाना होता है, वहीं इनके सहारे भविष्य के लिए अपनी मजबूत सियासी इमारत खड़ा करने की भी कोशिश भी रहती है। तमिलनाडु सरकार के उद्वेलित करने वाले हालिया कदमों का तात्कालिक कारण है अगले साल होने वाला विधानसभा चुनाव। इन मुद्दों के जरिए डीएमके अपने पक्ष में माहौल बनाने की कोशिश कर रही है। चूंकि ये मुद्दे तकरीबन आठ दशकों से डीएमके की राजनीतिक फसल के लिए बेहतर खाद रहे हैं, इसलिए एक बार फिर स्टालिन को इनसे उम्मीद नजर आ रही है।

संविधान के मुताबिक, भारत भले ही राज्यों का संघ हो, लेकिन राज्यों को राष्ट्रीय मुद्दों से अलग राह, जिनमें अलगाववाद के खतरे हों, किसी भी कीमत आगे बढ़ने की छूट नहीं है। संविधानसभा की बहस के दौरान राज्यों के ऐसे कदमों की आशंका जताई गई थी। इसी वजह से मजबूत केंद्र की अवधारणा की मांग स्वीकार की गई। इसके बावजूद आए दिन कुछ न कुछ राज्य राष्ट्रीय सोच से अलग रूख और राह अख्तियार करने की कोशिश करते रहते हैं। हाल के दिनों में इस कोशिश में वह पश्चिम बंगाल भी जुड़ गया है, जहां से राष्ट्रवाद की विचारधारा को बल मिला था। तमिलनाडु तो खैर अरसे से ही कई मुद्दों पर अलग रूख अख्तियार करता रहा है। ऐसा करते वक्त तमिल राजनीति इस तथ्य की अनदेखी करती रही है कि संविधान और राष्ट्र की प्राचीन अवधारणा के लिहाज से तमिल धरती पूरी तरह भारतीय है।

हिंदी विरोध की सोच तमिलनाडु में 1935 में डीएमके के वैचारिक उभार के साथ ही शुरू हुई। तब भी यह विचार, राष्ट्रीय युगबोध से अलग था। तमिलनाडु में पहले क्रांतिकारी सोच के नाम पर ब्राह्मण विरोध की शुरूआत हुई, जिसका अगला कदम हिंदी विरोध रहा। अब यह सोच एक तरह से उत्तर भारत के तीखे विरोध तक पहुंच चुकी है। दिलचस्प यह है कि इसमें कई बार कांग्रेस जैसी राष्ट्रीय पार्टी भी मददगार होती रही है। 2023 के विधानसभा चुनावों में छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान में बीजेपी और तेलंगाना में कांग्रेस को मिली जीत को लेकर कांग्रेसी बौद्धिकों ने नैरेटिव गढ़ा था। जिसके हिसाब से गोबर पट्टी के राज्यों को पिछड़ा और दक्षिणी राज्यों को समझदार बताया गया। यानी जो बीजेपी को चुने, वह पिछड़ा और जो कांग्रेस को चुने, वह प्रगतिशील। इस नैरेटिव ने एक तरह से उत्तर और दक्षिण के विभाजन की रेखा को खींचने की कोशिश की। इसी का विस्तार लोकसभा सीटों के परिसीमन को लेकर द्रविड़ राजनीति की ओर से उठाए जा रहे सवालों में भी दिख सकता है। राष्ट्रीय सहमति और सोच से उलट सोच के लिए अतीत में डीएमके को कीमत भी चुकानी पड़ी है। 1991 में तत्कालीन चंद्रशेखर ने सरकार ने तब करूणानिधि सरकार को कुछ ऐसी ही वजह से बर्खास्त कर दिया था। कांग्रेस करीब दो दशक से डीएमके की सहयोगी है, लेकिन अतीत में एक बार वह भी डीएमके की ऐसी ही सोच के चलते केंद्र की गुजराल सरकार को गिरा चुकी है। अभी चाहे हिंदी का सवाल हो या फिर रूपए के प्रतीक को बदलने की बात, डीएमके के रूख पर कांग्रेस ने फिलहाल चुप्पी साध रखी है। ऐसा लगता है कि इन मुद्दों पर कांग्रेस की स्थिति सांप और छछूंदर जैसी हो गई है। अगर वह डीएमके का विरोध करती है तो उसे अपने स्थानीय समर्थकों के छिटकने का डर है और यदि समर्थन करती है तो उत्तर भारत में उसकी उम्मीदें बिखर सकती हैं। लेकिन बीजेपी ने आक्रामक रूख अपना रखा है। रूपए का हिंदी प्रतीक बदलने का सबसे तेज विरोध तमिल मूल की निर्मला सीतारमण और तमिलनाडु बीजेपी अध्यक्ष अन्नामलाई कर रहे हैं। उनका साथ उनकी पूर्ववर्ती तमिलसाई सौंदर्याराजन दे रही हैं। बीजेपी की कोशिश है, स्टालिन के हिंदी विरोध की हवा तमिल सोच के जरिए निकालने की है। इसका आधार जोहो कंपनी प्रमुख श्रीधर वेंबु हिंदी समर्थन में बयान देकर मुहैया करा चुके हैं।

अगले साल अप्रैल-मई में तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव होने हैं। 2021 के चुनाव में एक दशक के अन्नाद्रमुक राज के बाद डीएमके को सत्ता मिली थी। इसे बचाए रखने की जुगत में स्टालिन जुट गये हैं। उत्तर और हिंदी विरोधी माहौल जिंदा करना और स्थानीय भावनाओं को उभारना तमिलनाडु में सबसे आसान रहा है। त्रिभाषा फॉमूर्ले में स्टालिन को हिंदी विरोध की आसान राह सूझी और वे मैदान में कूद पड़े। लोकसभा सीटों के परिसीमन में जनसंख्या के लिहाज से सीटें कम होने का डर वह पहले से दिखा रहे हैं। रूपए का प्रतीक बदलना उनका अगला कदम है।

1937 में पेरियार के हिंदी विरोधी आंदोलन को तकरीबन समूचे तमिल समुदाय का समर्थन मिला। 1965 में जब संवैधानिक प्रावधानों के चलते हिंदी राजभाषा बनने वाली थी, तब सीए अन्नादुरै की अगुआई में हुए तीव्र हिंदी विरोधी आंदोलन को भी समूचे तमिलनाडु का साथ मिला। इसके असर में दो साल बाद हुए विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को सत्ता गंवानी पड़ी, तब से कांग्रेस राज्य में हाशिए पर ही है। हालांकि इस बार हिंदी विरोध, परिसीमन का डर या रूपए के प्रतीक बदलने को तकरीबन समूचे तमिल समुदाय का साथ मिलता नहीं दिख रहा। इसकी बड़ी वजह यह है कि तमिल समुदाय भी अब भाषा की राजनीति और उसके दायरे को समझने लगा है। संचार क्रांति के जरिए उसे भी पता है कि स्टालिन द्वारा उठाए जा रहे मुद्दों की खामी-खासियत क्या है? तमिल समुदाय के एक हिस्से भी समझ आने लगा है कि उनकी सरकार का विरोध एक बिंदु पर राष्ट्रीय धारा के विपरीत हो सकता है। अब तमिलनाडु में भी लोग मिलने लगे हैं, जिन्हें हिंदी विरोध राजनीतिक शिगूफा नजर आता है। स्टालिन जिस तरह तेजी से एक के बाद एक मुद्दे उछाल रहे हैं, उससे उन्हें और उनके सलाहकारों को लगता है कि हिंदी विरोध हो या परिसीमन की मुखालफत को बड़ा और गहरा समर्थन नहीं मिल रहा है। इन मुद्दों को लगातार उछालने की एक वजह यह भी है, ताकि वह विधानसभा चुनावों तक जिंदा रहे।

पिछले लोकसभा चुनाव में बीजेपी राज्य में अपना खाता नहीं खोल पाई, लेकिन उसका गठबंधन राज्य में 18.2 प्रतिशत वोट हासिल करने में कामयाब रहा। इसमें बीजेपी का वोट 11 प्रतिशत रहा। जबकि पहले उसे तीन से पांच प्रतिशत तक ही वोट मिलता रहा। जाहिर है कि बीजेपी राज्य में अपनी जड़ें जमा रही है। बीजेपी राज्य में स्थानीय की बजाय राष्ट्रीय मुद्दों के साथ पहुंच रही है। यह भी वजह है कि स्टालिन ठेठ और आक्रामक स्थानीय मुद्दों को उभारने की कोशिश कर रहे हैं। अतीत में हिंदी और उत्तर भारत विरोध स्थानीय लोगों को गोलबंद करने का आसान जरिया रहे। इन मुद्दों पर सियासी बैटिंग डीएमके के लिए परिचित पिच रही है। इस पिच पर एक बार फिर सियासी बैटिंग करना उसे आसान लग रहा है। बीजेपी ने भी पिच तो वही अपनाई है, लेकिन उसके मुद्दे अलहदा हैं। राष्ट्रीय मुद्दे बनाम स्थानीय सोच की इस जंग में फिलहाल देश का दक्षिण कोना घायल होता नजर आ रहा है। इस पर रोक लगाने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर सोच बननी जरूरी है। अन्यथा ऐसी राजनीति के दंश का दर्द अरसे तक झेलना पड़ सकता है।

शहरी विकास के लिए चेतावनी है भूकंप

म्यांमार में आए 7.7 तीव्रता के ताकतवर भूकंप ने 1700 से भी ज्यादा लोगों की जान ले ली और 2500 से भी ज्यादा लोग घायल हैं। भूकंप के प्रभाव में आकर जिस तरह से बहुमंजिला इमारतें ढहीं, सडकें, पुल और बांध टूटे, बिजली और इंटरनेट सेवाएं ठप हो गईं, यह प्रकृति की एक ऐसी नजीर है, जो बढ़ते शहरीकरण के लिए चेतावनी है। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में आए कुछ पलों के झटकों ने ही दुनिया के इस सुंदर शहर को थर्रा दिया। इसी बीच अमेरिका की भूगर्भीय सर्वेक्षण एजेंसी ने आशंका जताई है कि मरने वालों की संख्या 10 हजार से भी अधिक पहुंच सकती है। इस भूकंप के झटके भारत के पूर्वोत्तर राज्यों और पश्चिम बंगाल में भी अनुभव किए गए। चीन, वियतनाम, ताइवान, लाओस और श्रीलंका में भी भूकंप की तरंगें अनुभव की गईं। याद रहे भारत के भुज में 24 साल पहले आया भूकंप भी 7.7 तीव्रता का था, जिसमें 20 हजार लोगों की मौतें हुई थीं और डेढ़ लाख लोग घायल हुए थे। तीन लाख से ज्यादा घरों को नुकसान हुआ था। म्यांमार का भूकंप काफी उथला था। इस भूकंप का केंद्र भूमि के 10 किमी नीचे था। भूकंप के केंद्र वाला म्यांमार का क्षेत्र संवेदनशील क्षेत्र के रूप में पूर्व से ही चिन्हित है। बावजूद यहां आवास और उद्योगों के लिए आलीशान अट्टालिकाएं खड़ी की जा रही हैं। भारतीय और यूरेशियन प्लेटों के टकराने का परिणाम इस भूकंप को माना जा रहा है। दिल्ली राजधानी क्षेत्र में 17 फरवरी 2025 की सुबह 5.36 बजे रिक्टर स्केल पर चार तीव्रता वाले भूकंप के झटके और धमाकों जैसी अवाजें सुनी गई थीं। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार भूकंप का केंद्र दिल्ली के धौलाकुआं के झील पार्क क्षेत्र में 5 किमी की गहराई में था। इस कारण इसकी तीव्रता भूगर्भ में ही कमजोर पड़ गई और सतह पर नहीं आने पाई। बिहार में भी भूकंप के झटके अनुभव किए गए। इसका केंद्र धरती की सतह से 10 किमी नीचे था। इसलिए असर केवल अनुभव हुआ। बावजूद भविष्य में भूकंप का यह संकेत दिल्ली के लिए विनाश की चेतावनी है। क्योंकि दिल्ली, हरिद्वार और महेंद्रगढ़, देहरादून के ऐसे पठारनुमा टीले पर बसा हुआ है, जहां से भूकंप की भ्रंश रेखा गुजरती है। अतएव यहां हमेशा भूकंप का खतरा बना रहता है। यह संकट इसलिए भी है क्योंकि यमुना नदी के मैदानी क्षेत्र में भूमि की परत नरम है।

हालांकि इस भूकंप को विवर्तनिक परत (टेक्टोनिक्स प्लेट) में किसी बदलाव के कारण आना नहीं माना गया था। इसके आने का कारण स्थानीय भूगर्भीय विविधता को माना जा रहा है। याद रहे हिमालय के उत्तरी तलहटी में स्थित चीन के तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र शिगात्से के निकट तिंगरी काउंटी में 7 जनवरी 2025 को 7.1 तीव्रता का भूकंप आया था। इसमें 126 लोग मारे गए थे। पड़ोसी देश नेपाल और भारत में भी इसके झटके महसूस किए गए थे। भूकंप का केंद्र तिंगरी काउंटी में था, जो हिमालय की चोटी माउंट एवरेस्ट क्षेत्र का उत्तरी द्वार माना जाता है। अमेरिकी भूगर्भ सर्वेक्षण ने इस भूकंप की तीव्रता 7.1 आंकी थी। भूकंप से तिब्बत में किसी बांध या जालाशय को हानि नहीं पहुंची थी, गौरतलब है कि भूकंप ने भारतीय सीमा के निकट तिब्बत में ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया का सबसे बड़ा बांध बनाने की योजना ने भारत और बांग्लादेश को चिंता में डाल दिया है। क्योंकि यह पूरा क्षेत्र भारत और यूरेशियन टेक्टोनिक प्लेटों में टकराव के कारण चीन के दक्षिण-पश्चिम हिस्से नेपाल और उत्तर-भारत में अकसर भूकंप आते रहते हैं। भूकंप की चेतावनी संबंधी प्रणालियां अनेक देशों में संचालित हैं लेकिन वह भूगर्भ में हो रही दानवी हलचलों की सटीक जानकारी समय पूर्व देने में लगभग असमर्थ हैं।

क्योंकि प्राकृतिक आपदाओं की जानकारी देने वाले अमेरिका, जापान, भारत, नेपाल, चीन और अन्य देशों में भूकंप आते ही रहते हैं, इसलिए यहां लाख टके का सवाल उठता है कि चांद और मंगल जैसे ग्रहों पर मानव बस्तियां बसाने का सपना और पाताल की गहराइयों को नाप लेने का दावा करने वाले वैज्ञानिक आखिर पृथ्वी के नीचे उत्पात मचा रही हलचलों की जानकारी प्राप्त करने में क्यों असफल हैं, जबकि वैज्ञानिक इस दिशा में लंबे समय से कार्यरत हैं।

साजिशों के साए में बेरोजगार युवा

आईपीएल जैसा बेहद महंगा खेल आयोजन कराकर भारत दुनिया को अपनी मजबूत अर्थव्यवस्था का पैगाम नसर करता है। बेशक भारत विश्व की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था में शुमार कर चुका है। मगर हकीकत यह है कि प्रजातंत्र के भविष्य बेरोजगार युवा वर्ग के सितारे गर्दिश में हैं। बेरोजगारी देश में तशवीशनाक मसला बन चुकी है। बेरोजगारी के अजाब ने शिक्षित वर्ग के युवाओं का आत्मसम्मान व आत्मविश्वास छीन लिए हैं। चूंकि भारत में अकसर सरकारी रोजगार करने वालों को ही इल्मदार समझा जाता है। सियासी रहनुमाओं को आलिम फाजिल माना जाता है। मुल्क के किसी भी निजाम में तब्दीली लाने की सलाहियत युवा वर्ग में ही है। इंतखाबी दौर में हुक्मरानों को अपनी सियासी बज्म की जीनत बढ़ाने के लिए सबसे ज्यादा जरूरत युवा वर्ग की ही होती है। सियासी रहनुमाओं को सत्ता के फलक तक पहुंचाने में भी युवा वर्ग का अहम किरदार है। मगर इसे इत्तेफाक कहें या बेरोजगारी की इंतेहा, मसला यह है कि अभिशाप बन चुकी बेरोजगारी की वजह से युवा डिप्रेशन में हैं। नशाखोरी व डंकी रूट के मकड़जाल में फंस चुके युवाओं के अभिभावक डिप्रेशन में हैं। विदेशों में नौकरी के हसीन ख्वाब दिखाकर युवाओं को फर्जी तरीके से विदेश भेजने का डंकी रूट व कबूतरबाजी जैसा करोड़ों रुपए का अवैध कारोबार लंबे समय से चल रहा है। ट्रैवल एजेंटों के राडार पर भी युवा हैं। ट्रैवल एजेंटों द्वारा फर्जी तरीके से विदेश भेजे गए ज्यादातर युवा बैरूने मुल्कों की जेलों में कैद हैं। नशा तस्करी के इल्जाम में जेलों में बंद ज्यादातर युवा हैं। युवा छात्रों को डॉक्टर, इंजीनियर, आर्मी ऑफिसर, पायलट, जज तथा प्रशासनिक अधिकारी बनाने का ख्वाब दिखाने वाले कोचिंग सेंटरों का देश में हजारों करोड़ रुपए का कारोबार चल रहा है। कोचिंग के नाम पर लाखों रुपए की फीस भरने के बावजूद प्रतियोगी परीक्षाओं में असफलता के बाद अवसाद व डिप्रेशन का शिकार होकर युवा छात्र आत्महत्या जैसा आत्मघाती कदम उठा रहे हैं। उच्च शिक्षण संस्थानों में रैगिंग का साया भी युवा छात्रों का पीछा करता है। शिक्षा के नाम पर देश के हजारों छात्र प्रति वर्ष विदेशी शिक्षण संस्थानों का रुख करते हैं। करोड़ों रुपए की महंगी फीस से विदेशी शिक्षण संस्थानों की अर्थव्यवस्था को गुलजार करने वाले भारतीय छात्र विदेशों में नस्लीय हमलों का शिकार होते हैं। भारतीय मूल के छात्रों तथा विदेशों में काम करने वाले युवाओं की हत्याएं की जाती हैं। दहशतगर्दी को जीवित रखने के लिए आतंक के आकाओं को सबसे ज्यादा जरूरत युवा वर्ग की है। अलगाववाद व चरमपंथ की आग भडकाने के लिए भी युवाओं को ही मोहरा बनाया जाता है। हमसाया मुल्क पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई भारत में अराजकता का माहौल पैदा करने के लिए हनी ट्रैप जैसे मंसूबे के जरिये जासूसी के लिए भारतीय युवाओं को अपने जाल में फंसाती है। हनी ट्रैप एक ऐसी साजिश है जिसमें महिला जासूसों का इस्तेमाल करके देश की कई संवेदनशील जानकारियां हासिल की जाती हैं। हनी ट्रैप के एजेंटों के निशाने पर भी ज्यादातर बेरोजगार युवा हैं। हनी ट्रैप का जाल सोशल मीडिया के जरिये फैलाया जाता है। सोशल मीडिया का सबसे बड़ा शिकार भी युवा वर्ग ही है। कई विभागों के अहलकार व युवा अधिकारी तथा बेरोजगार युवा हनी ट्रैप का शिकार होकर सलाखों के पीछे हैं। समाज में संगीन वारदातों के बढ़ते ग्राफ का सबब भी बेरोजगारी है। अपहरण व कत्ल जैसी संगीन वारदातों को अंजाम देने के लिए गैंगस्टरों को बेरोजगार युवा शूटरों की जरूरत रहती है। गैंगस्टर व शूटर बनने की कातिलाना ख्वाहिश में मौत से बेपरवाह होकर युवा अपना मुस्तकबिल बर्बाद कर रहे हैं। इंतखाबी दौर में युवाओं के बेहतर मुस्तकबिल के लिए कई वादे किए जाते हैं। लेकिन सियासत का किरदार कभी मुखलिस नहीं होता। इख्तिदार हासिल होने के बाद तर्ज-ए-सियासत का मिजाज बदल जाता है। आम लोगों को हुक्मरानों के दीदार दुर्लभ हो जाते हैं। बेरोजगारी, महंगाई व नशाखोरी जैसे संवेदनशील मसले सियासत के मरकजी मुद्दे बनने चाहिए, मगर जाति-मजहब की तजुर्मानी करने वाली सियासत आक्रांताओं के महिमामंडन व आरक्षण के चक्रव्यूह से बाहर नहीं निकल पा रही। किसान-मजदूर व बेरोजगार युवाओं की आजिजी पर चर्चा नहीं होती। गर्दिश-ए-तकदीर को कोस रहे बेरोजगार युवा महंगाई की मार झेलें, भ्रष्टाचार से ग्रसित निजाम से निपटें, व्यवस्थाओं की मिन्नतें करें, अपनी डिग्रियां हाथों में पकड़ कर रोजगार कार्यालयों की तवाफ करें, चुनावी वादों पर भरोसा करें या मुकद्दर पर यकीन करें? रोजगार की जुस्तजू में बैरूने मुल्कों में मुहाजिर बनने को मजबूर बेरोजगारों के रंज-ओ-गम को महसूस करने के लिए सियासी नजर-ए-करम की निहायत जरूरत है। डंकी रूट, कबूतरबाजी, ड्रग्स माफिया, दहशतगर्दी, गैंगस्टरों व हनी ट्रैप जैसे फ्रॉड तथा चरमपंथी ताकतों का नेटवर्क बेरोजगार युवाओं की तलाश करता है।

जल गंगा संवर्धन अभियान से जल संरक्षण को मिल रहा नया आयाम

जनभागीदारी से तालाब का गहरीकरण, दीवार लेखन के माध्यम से लोगों को किया जा रहा है जागरूक

सुशिल सोनी। सिटी चीफ
अनूपपुर, जिले में जल संरक्षण को लेकर शासन के निर्देशानुसार कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली के निर्देशन में जिला प्रशासन द्वारा प्रारंभ किया गया महत्वाकांक्षी 'जल गंगा संवर्धन अभियान' जनान्दोलन का रूप ले रहा है। यह अभियान पूरे प्रदेश में सक्रिय हो गया है। इसमें जल संरक्षण, रेनोवेशन, जलसंरचनाओं का पुनर्जीवन और जनजागरण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी तारतम्य में जन अभियान परिषद के नवांकुर संस्था समिति अभिनव समाज सेवी समिति डोला तथा सीएमसीएलडीपी छात्र-छात्राओं के सहयोग से बिजुरी के भालूगुड़ार तालाब में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत स्वच्छता अभियान चला कर साफ सफाई की गई। इसी प्रकार नवांकुर संस्था शुभम समाजसेवी संस्थान के वॉलिंटियर्स द्वारा जैतहरी के अमहाई तालाब की साफ सफाई की गई। दीवार लेखन और रैली से बढ़ी जागरूकता अनूपपुर जिले में दीवार लेखन और जागरूकता रैली के माध्यम से जल संरक्षण की प्रेरणा दी जा रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में ''बूंद-बूंद में शक्ति है, जीवन की यह भक्ति है'' जैसे प्रेरक नारों का उपयोग कर जल संरक्षण का संदेश दिया जा रहा है। युवाओं ने जल संरक्षण का लिया संकल्प जिले में विकासखंड जैतहरी के वेंकटनगर अंतर्गत ग्राम गोधन में नवांकुर संस्था ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति एवं आनंद सोशल वेलफेयर सोसाइटी धनगवां पूर्वी के द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के प्रमुखउद्देश्यों एवं जल संरक्षण के प्रति आम जनों को जागरूक किया जा रहा है तथा जल स्त्रोतों के रखरखाव के प्रति लोगों को दीवार लेखन के माध्यम से जागरूक किया जा रहा है।

थाना बिजुरी द्वारा 12 घंटे के अंदर नाबालिग अपहृता लड़की को दस्तयाब किया गया

सुशिल सोनी । सिटी चीफ
पुलिस अधीक्षक अनूपपुर श्री मोती उर रहमान एवं श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक इसरार मंसूरी व एस.डी.ओ.पी. कोतमा श्रीमती आरती शाक्य के निर्देशन में नाबालिग गुमशुदा की पता तलाश हेतु अभियान चलाया जा रहा है । दिनांक 31.03.25 को ग्राम कटकोना जिला कोरिया निवासी महिला अपनी 17 वर्ष की नाबालिक लड़की के साथ पारिवारिक कार्यक्रम में आई थी जो उसकी नाबालिग लड़की रात को बिना बताए घर से कहीं चली गई थी। फरियादिया की रिपोर्ट पर से थाना बिजुरी में अप.क्र. 99/2025 धारा 137 (2) BNS का पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया एवं अपहर्ता की पता साजी हेतु सार्थक प्रयास किया जाकर उपरोक्त नाबालिग को रिपोर्ट दर्ज होने के 12 घंटे के अंदर दस्तेयाब कर उसके परिजनों के सुपुर्द किया गया है। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी बिजुरी निरीक्षक विकास सिंह उनि. मानिम टोप्पो, आर. 380 आनंद सिंह बेस, महिला आर. 304 संगम तोमर की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

प्रत्येक कार्यकर्ता घरों पर झंडा पहराकर मनाएंगे स्थापना दिवस - अमिता चपरा

हर बूथ मनाएगा भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ
शहडोल, भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष श्रीमती अमिता चपरा ने बुधवार को जिले की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि कार्यकर्ता 6 अप्रैल को पार्टी का स्थापना दिवस और 14 अप्रैल को भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती की तैयारियों में जुट जाएं। उन्होंने कहा कि 6 अप्रैल को पार्टी का स्थापना दिवस मनाने के लिए विशेष तैयारियां करें और प्रत्येक कार्यकर्ता अपने अपने निवास पर पार्टी का ध्वज लगाकर पूरे हर्षोल्लास के साथ स्थापना दिवस मनाएं। कार्यालय की सजावट कर रंगोली सजाएं तथा मिठाई बांटें। सेल्फी लेकर उसे सोशल मीडिया पर ''हैशटैग बीजेपी फॉर विकसित भारत'' के साथ पोस्ट करें। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी विनय केवट ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी प्रदेश नेतृत्व के निर्देशन पर बुधवार को कमला नगर स्थित शहडोल संभागीय मुख्यालय जिला भाजपा कार्यालय में। बैठक का शुभारंभ भाजपा का के पितृ पुरुष पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी एवं डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ शुरू की गई। जिला मिडिया प्रभारी ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी की जिले की कामकाजी बैठक में भाजपा शहडोल जिले के प्रभारी पीतांबर

टोपनानी, जैतपुर विधायक जयसिंह मरावी, जयसिंहनगर विधायक श्रीमती मनीषा सिंह ब्यौहारी विधायक शरद कोल, पूर्व जिलाअध्यक्ष कमल प्रताप सिंह, आजीवन सहयोग निधि के प्रभारी दौलत मनमानी, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रभा मिश्रा मंचासीन रहे

हर दिन 8 घंटे बस्ती चलो अभियान... बैठक को संबोधित करते हुए जिला प्रभारी पीतांबर टापुनानी जी ने आगामी कार्यक्रमों की विस्तृत चर्चा की उन्होंने कहा कि 3 अप्रैल प्रत्येक मंडल की बैठक एवं 4 अप्रैल को शक्ति केंद्रों की बैठक की जाएगी एवं 14 अप्रैल को जिले के प्रत्येक बूथ पर भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की जयंती मनाई जाएगी । बूथ स्तर पर और मंडल व विधानसभा स्तर पर भाजपा की चुनावी सफलता, संगठनात्मक विस्तार, भारतीय राजनीति में भाजपा द्वारा लाया गया परिवर्तन एवं प्रधानमंत्री के रूप में श्री नरेंद्र मोदी जी के साथ विकसित भारत की ओर यात्रा जैसे विषयों पर नए प्राथमिक सदस्यों का सम्मेलन आयोजित करना सुनिश्चित करें। 7 से 13 अप्रैल के बीच जिला पदाधिकारी, जन प्रतिनिधि व मंडल अध्यक्ष दिन में 8 घंटे बस्ती चलो अभियान के तहत सेवा बस्ती का दौरा कर मंदिर, अस्पताल, स्कूल व गलियों में स्वच्छता अभियान में भाग लें। इस दौरान विभिन्न योजनाओं के 10 लाभार्थियों से मिलकर उनसे बातचीत करें, आंगनवाड़ी केंद्र, स्कूल, पशु चिकित्सालय, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र व पंचायत कार्यालय का दौरा कर जल संरचनाओं की सफाई में सहभागिता करें। स्थानीय निवासियों की चौपाल का आयोजन तथा अलग- अलग समुदाय के प्रतिष्ठित व्यक्तियों के घर पहुंचना है। वरिष्ठ पार्टी कार्यकर्ता, मीसा बंदी तथा कारसेवकों का सम्मान करने के साथ बूथ समितियों की बैठक आयोजित करना है। सफाई कर मनाएं दीपोत्सव जिलाध्यक्ष श्रीमती अमिता चपरा ने कहा कि भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के पूर्व 13 अप्रैल को उनकी प्रतिमाओं की सफाई करना तथा संध्या के समय दीपोत्सव मनाना है। 14 अप्रैल को बाबा साहब की प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि अर्पित कर संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक पाठ करना है। आंगनबाड़ी केंद्रों और अनुसूचित जाति बस्तियों के स्कूल परिसरों की सफाई एवं सामुदायिक सुविधाओं का रखरखाव किया जाए।उन्होंने कहा कि पार्टी पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी जी का शताब्दी वर्ष समारोह मना रही है, इसके लिए पार्टी कार्यकर्ता श्रद्धेय अटल जी के पत्र, फोटो, वीडियो आदि के माध्यम से नए कार्यकर्ताओं को अवगत कराएं। इस दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष ने आजीवन सहयोग निधि के विषय पर चर्चा करते हुए आजीवन सहयोग निधि जिला टोली की टीम को लेकर सहयोग निधि समय से एकत्रित करने पर बधाई दी एवं प्रधानमंत्री जी की मन की बात कार्यक्रम को लेकर विशेष रूप से चर्चा की गई। बैठक में भारतीय जनता पार्टी के जिला पदाधिकारी मंडल अध्यक्ष मोर्चा प्रकोष्ठों के अध्यक्ष सहित भाजपा के वरिष्ठ जेष्ट श्रेष्ठ कार्यकर्ता गण उपस्थित रहे।

अनूपपुर में थाना भालूमाड़ा पुलिस ने अवैध रेत (खनिज) के विरुद्ध की गई कार्यवाही

सुशिल सोनी । सिटी चीफ
अनूपपुर, श्रीमान् पुलिस अधीक्षक महोदय अनूपपुर श्री मोती-उर-रहमान के निर्देशन मे, श्रीमान् अति. पुलिस अधीक्षक महोदय श्री इसरार मन्सूरी तथा अनु.अधि. कोतमा (पुलिस) श्रीमती आरती शाक्य के मार्ग दर्शन में थाना भालूमाड़ा की टीम द्वारा मुखबिर की सूचना मिलने पर आज दिनांक 02/04/2025 को ग्राम सिकारपुर में आम बगीचा के पास रोड में घेराबंदी कर स्वाराज कम्पनी का ट्रेक्टर जिसका रजिस्ट्रेशन नम्बर MP 65 AA 2785 को रोक कर चेक किया गया जो ट्रेक्टर ट्राली में जिसमें 3 घन मीटर रेत अवैध खनिज बिना रायल्टी/टीपी के लोड कर परिवहन करते पाया गया जिससे ट्रेक्टर चालक रमेश कुमार केवट पिता सुदर्शन प्रसाद केवट उम्र 36 वर्ष निवासी दारसागर के कब्जे से उक्त ट्रेक्टर ट्राली मय लोड 3 घन मीटर रेत (खनिज) जप्त कर थाना लाकर सुरक्षार्थ खडा किया गया एवं अपराध क्रमांक 150/2025 धारा 303(2) बीएनएस 4/24 खान खनिज अधियम का कायम कर विवेचना में लिया गया । जप्त शुदा मशरूका - स्वाराज कम्पनी का ट्रेक्टर जिसका रजिस्ट्रेशन नम्बर MP 65 AA 2785 मय ट्राली में लोड 3 घन मीटर रेत कुल कीमती 606000 रुपये नाम आरोपीगण- 1. रमेश कुमार केवट पिता सुदर्शन प्रसाद केवट उम्र 36 वर्ष निवासी दारसागर अहम भूमिका - थाना प्रभारी भालूमाडा निरी संजय खलको उप निरी0 जे.पी. लकडा, स.उ.नि. रघुराज सिंह प्र.आर. 56 राजकुमार परस्ते आर. 579 रविन्द्र मौर्य आर. 445 अभिषेक सिंह चौहान की रही

शिल्पकारों को उच्च गुणवत्ता प्रशिक्षण आवश्यक - राज्य मंत्री

हस्तशिल्प एवं हथकरघा विकास निगम शाखा छतवई का निरीक्षण

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ
शहडोल, कुटीर एवं ग्रामोद्योग (स्वतंत्र प्रभार) राज्य मंत्री दिलीप जायसवाल की उपस्थिति में आज हस्तशिल्प एवं हथकरघा विकास निगम शाखा,छतवई में कौशल विकास उन्नयन प्रशिक्षण योजना के तहत शिल्पकारों को दिए जा रहे 75 दिवसीय प्रशिक्षण कार्य का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर राज्य मंत्री दिलीप जायसवाल ने यहां के प्रभारी प्रबंधक एवं डिजाईनर को निर्देशित करते हुए कहा कि हस्तशिल्प एवं हतकरघा विकास निगम शाखा छतवई में प्रशिक्षण ले रहे शिल्पियों को उच्च एवं कुशल प्रशिक्षण दिलाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि शिल्पियों को नए-नए डिजाइन के प्रशिक्षण दिए जाएं। राज्य मंत्री ने कहा कि यह प्रशिक्षण कार्य 75 दिन तक ही सीमित नहीं रहेगा यह आगे भी निरंतर चलता रहेगा। उन्होंने कहा कि यहां कालीन के साथ-साथ दरी एवं चादर बनाने का भी प्रशिक्षण दिया जाए एवं उनके नए-नए डिजाइन बनाना भी सिखाया जाए। उन्होंने कहा कि छतवई की बनी कालीन का उपयोग विधानसभा भवन में भी किया गया है यह हमारे लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि ज्यादा से ज्यादा लागों को प्रशिक्षण में शामिल किया जाए एवं प्रशिक्षण दिया जाए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक जयसिंहनगर श्रीमती मनीषा सिंह ने कहा कि हमारे ग्राम छतवई में बनी कालीन एवं दरी प्रदेश के साथ-साथ देश में भी प्रसिद्ध है। उन्होंने कहा कि हमारे यहां की माताएं-बहने कालीन की बुनाई एवं कास्ट की कलाकृति बनाने में कुशल कारीगर हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना काल से पहले ग्राम पंचायत छतवई का हस्तशिल्प एवं हतकरघा विकास निगम शाखा छतवई का कार्य बड़ी तेजी से चल रहा था। कोरोना काल आने के बाद किन्ही कारणों से बंद हो गया था। उन्होंने कहा कि राज्य मंत्री दिलीप जायसवाल की पहल पर यह पुन: खोला गया है। इसमें हमारे यहां की माताएं एवं बहने फिर से कार्य कर अपने हुनर को निखारेंगी तथा अपने हाथों की कला से फिर से छतवई एवं शहडोल जिले का नाम रोशन करेंगी। इस दौरान कुटीर एवं ग्रामोद्योग (स्वतंत्र प्रभार) राज्य मंत्री दिलीप जायसवाल ने हस्तशिल्प एवं हथकरघा विकास निगम शाखा छतवई का निरीक्षण भी किया तथा प्रशिक्षण ले रहीं महिलाओं से चर्चा भी की। कार्यक्रम में अध्यक्ष नगरपालिका शहडोल घनश्याम दास जायसवाल, अध्यक्ष जनपद पंचायत सोहागपुर श्रीमती हीरावती कोल, समाज सेवी श्रीमती अमिता चपरा, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मुद्रिका सिंह सहित, हस्तशिल्प एवं हथकरघा विकास निगम शाखा छतवई के प्रभारी प्रबंधक शिवशंकर पाण्डेय, डिजाईनर अंकिता चन्द्रवंशी अन्य जनप्रतिनिधि अधिकारी एवं काफी संख्या में शिल्पी बहने उपस्थित रहीं।

रक्तवीरो ने किया 15 यूनिट रक्तदान

सिविल अस्पताल में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर संपन्न

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ
जयसिंहनगर, बुधवार 02 अप्रैल 2025 को अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत शहडोल, समाचार पत्र एवं ×quot;संवेदना - 02 एक छोटी सी पहल×quot; के तत्वावधान में रक्तदान महादान परोपकार सर्वो धर्मः समिति के सहयोग से रक्तदान एवं नि:शुल्क जांच शिविर का आयोजन सिविल अस्पताल जयसिंहनगर में आयोजित किया गया, जिसमें कुल 15 लोगों ने रक्तदान किया साथ ही कुल मिलाकर 15 यूनिट रक्तदान किया गया। रक्तदान शिविर के अंत में सभी रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र, बैच और जूस वितरित किया गया। रक्त सेंटर जिला चिकित्सालय शहडोल से उपस्थित श्यामला राव ने समस्त रक्तदाताओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि रक्तदान से हम लोगों का जीवन बचा सकते हैं, उन्होंने कहा कि हमारी युवा पीढ़ी को रक्तदान के प्रति जागरूक होना होगा साथ ही रक्तदान के प्रति व्याप्त भ्रांतियों को भी दूर करना होगा। रक्तदान से किसी प्रकार की कोई कमजोरी नहीं होती है न ही कोई दुष्प्रभाव होता है। इस दौरान मुख्य रूप से अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के जिलाध्यक्ष अनंत पाण्डेय, अजय धारिया, अमन तिवारी, प्रिया सिंह, भाजपा मंडल अध्यक्ष जयश्री कचेर, तहसील संयोजक अनुराग यादव, एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे मुख्य खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर के.एल. दीवान, रक्त सेंटर शहडोल से श्यामला राव, पत्रकार राकेश गुप्ता, अभाविप से आशीष कुमार गुप्ता शुभम द्विवेदी, सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

रक्तवीरो ने किया रक्तदान... रक्तदान शिविर में पहली बार रक्तदान करने वाले रामप्रसाद साहू ने कहा की रक्त दान करके बहुत अच्छा लगा, निश्चित ही सभी युवाओं को रक्तदान हेतु बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए और अन्य लोगों को भी रक्तदान के लिए प्रेरित करना चाहिए। मुख्य रूप से डॉक्टर के एल दीवान, अनुराग यादव, दलवीर रैदास, रामकेश यादव, हर्ष गुप्ता, रामनरेश कुशवाहा, रामप्रसाद साहू, अमन तिवारी, अंकित नामदेव, रावेंद्र सिंह, अमन त्रिपाठी, अनीता दत्त, महेंद्र कुशवाहा, आदित्य गुप्ता एवं राजकुमार यादव ने रक्तदान किया गौरतलब है कि 02 रक्तदाताओं ने पहली बार रक्तदान किया।

शिक्षक, विद्यार्थियों की रूचि अनुसार दें शिक्षा- दिलीप जायसवाल

महाविद्यालय बुढ़ार में वार्षिक स्नेह सम्मेलन संपन्न

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ *शहडोल, कुटीर एवं ग्रामोद्योग स्वतंत्र प्रभार राज्यमंत्री दिलीप जायसवाल की उपस्थिति में आज प्रधानमंत्री कालेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय बुढ़ार में वार्षिक स्नेह सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कुटीर एवं ग्रामोद्योग (स्वतंत्र प्रभार) राज्य मंत्री दिलीप जायसवाल ने कहा कि विद्यार्थी राष्ट्र के निर्माता होते हैं। विद्यार्थी पढ़ लिखकर आगे बढ़कर राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देते हैं। उन्होनें कहा कि छात्र-छात्राओं को अपना एक लक्ष्य निर्धारित कर अध्ययन करना चाहिए। विद्यार्थी लक्ष्य बनाएं एवं लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में कड़ी मेहनत करें। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी डॉक्टर,प्रशासनिक अधिकारी, इंजीनियर एवं जिस दिशा में भी आगे बढ़ना चाहते हैं उसी दिशा में आगे बढ़ें एवं आगे बढ़ कर अपने गांव, जिला एवं प्रदेश का नाम रोशन करें। उन्होनें कहा कि विद्यार्थी समय की महत्ता को जानें तथा अपने एक-एक मिनट का सदुपयोग कर अपने जीवन में सदैव आगे बढ़ते रहें। राज्यमंत्री दिलीप जायसवाल ने महाविद्यालय के शिक्षकों से कहा कि वे विद्यार्थियों की रूचि को समझें तथा उनकी रूचि अनुसार उन्हें अच्छी एवं गुणवत्ता युक्त शिक्षा देकर आगे बढ़ने में मदद करें। उन्होने कहा कि हमारी सरकार में शिक्षा के क्षेत्र में किसी प्रकार की कोई कमी नहीं है। हमारी सरकार शिक्षा के क्षेत्र में अनेक नये कार्य कर रही है। राज्यमंत्री दिलीप जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में इस महाविद्यालय को एक्सीलेन्स कॉलेज का दर्जा प्राप्त हुआ है। इस महाविद्यालय में एक्सीलेंस महाविद्यालय की सारी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। जिससे हमारे क्षेत्र के विद्यार्थियों को शिक्षा अध्ययन के लिए दूसरे शहर नहीं जाना पड़ेगा। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुती भी दी गई। इस दौरान राज्यमंत्री दिलीप जायसवाल ने कालेज परिसर में बनी स्वामी विवेकानन्द की प्रतिमा में माल्यापर्ण किया। कार्यक्रम में विधायक जैतपुर जयसिंह मरावी, अध्यक्ष नगर पालिका धनपुरी श्रीमती रविंदर कौर छावड़ा, अध्यक्ष नगर परिषद बुढार श्रीमती शालिनी सरावगी, अध्यक्ष नगर परिषद बकहो श्रीमती मौसमी केवट, महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. गंगा मिश्रा सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं काफी संख्या मे महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।*

त्वरित टिप्पणी: खुद का गिरेबान देखा है कभी, चले लगाने इल्ज़ाम

कलेक्टर निवास से महज चंद दूरी में फूंका सीएम पुतला

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ शहडोल, जिला मुख्यालय में इन दिनों कानून व्यवस्था पल पल व्यक्ति विशेष चुनिंदा लोगो की हांथो की कठपुतली सी बन गई है, जिला अधिकारी सीएम का पुतला दहन होते हुए दिखने और चटकारे लगाने में मसगुल ना होते तो कम से कम कलेक्टर निवास से चार कदम की दूरी में प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री मोहन यादव का पुतला फूंकने का माद्दा उन लोगो का तो कम से कम नहीं होना चाहिए जिनके दामन में इतने छेद है की गिनना मुश्किल हो जाएगा द्य मामले में स्पष्ट कहने का मतलब यह है की शहडोल सहित उमरिया घुनघुटी की सरकारी आदिवासी एवं वनारक्षित भूमि को दबंगई और फर्जी दस्तावेजों के आधार पर (बिना हवाला फर्जी तरीके से नामांतरण करा) हथिया रखा हुआ यह कुनबा भला जनता के लिए कितनी मजबूती से खड़ा रह सकता है बल्कि इस मामले में तो पार्टी के आला कमान को विचार करना चाहिए की ऐसे लोग पार्टी के लिए नहीं अपने बचाव को डंडा झंडा उठाकर रखे हुए है धरातल में इसका सबसे बड़ा उदहारण विधानसभा एवं निकाय के चुनाव है जिले में सत्ता दल के सामने कोई मजबूत चेहरा दशको से नहीं है बार बार एक ही चेहरा जिनके साफ़ दामन को तलाशना पत्थर से सर फोड़ना ही कहलायगा ।

जमीन हड़पने वाला गिरोह... महज कुछ माह पूर्व तत्कालीन जिला कलेक्टर एवं मजिस्ट्रेट तरुण भटनागर ने पुरानी बस्ती के दर्जनों खसरा नंबर के खाते की खरीद बिक्री पर रोक लगा दी थी । इनके कुनबों ने ऐसे संगठित भ्रष्टाचार को अंजाम दिया है उसकी तह तक शहडोल की ही एक महिला समाजसेवी गीता सिंह पहुंच चुकी है, जिसमे जमीन के काले कारोबार में करोडो का खेल खेला है, जिसकी तथ्यात्मक प्रमाणित दस्तावेजों के आधार पर अब तक की गयी शिकायतों में हालिया कार्यवाही में शासकीय रकबा पांच एकड़ खसरा नंबर 516 की भूमि अतिक्रमण मुक्त हुई लेकिन आज तक कागजो में ।

तालाब पर कुनबे का कब्जा... इतना ही नहीं शहडोल में पीने के पानी के लिए दशको से जारी जंग है यहाँ शहडोल की पेयजल आपूर्ति लगभग 20 किलोमीटर दूर सरफा डेम से हो रही है, प्रदेश सरकारों ने भी स्थानीय पेयजल स्त्रोत को लाइफ लाइन बताते हुए जिले की सभी तालाब को अतिक्रमण मुक्त कराकर जीर्णोद्वार किए जाने के लिए सरकारी खजाने का द्वार खोल दिया है मजे की बात यह है की उनमे से शासकीय घोषित तालाब खसरा नंबर 97 राजस्व अभिलेख में दर्ज है लेकिन भाजपाई सरकार के आखो में धूल झोंककर मुट्ठी भर मौकापरस्त लोग पार्टी की आड़ में जमीन की अवैध तरीके से खरीद बिक्री कारोबार में करोडो डकार बैठे है इनके लिए पार्टी का चोला अनाप सनाप कार्यो में आड़ बनकर झाड़ काटने का काम कर रहा है भले ही इस चक्कर में पार्टी को चुना बराबर लग रहा है कहे तो पार्टी की रीतीनीति से इतर हटकर केवल अपना अब तक उल्लू ही साधकर रखा है **यह प्रेस नोट किया जारी....** जिला कॉंग्रेस कमेटी शहडोल के जिलाध्यक्ष सुभाष गुप्ता के निर्देश पर प्रदेश सचिव अजय अवस्थी के नेतृत्व मे जिला कॉंग्रेस कमेटी शहडोल द्वारा गाँधी चौक शहडोल मे, पूर्व आरटीओ कॉन्स्टेबल और करोड़पति बिल्डर सौरभ शर्मा सहित अन्य आरोपियों को लोकायुक्त कोर्ट से मंगलवार को मिली जमानत के विरोध मे, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री का पुतला दहन किया गया, प्रदेश सचिव अजय अवस्थी ने कहा कि लोकायुक्त कोर्ट में लोकायुक्त 60 दिन में सौरभ व उसके साथियों के खिलाफ चालान पेश नहीं कर पाई जिसके कारण उन्हें जमानत दी गई है। मध्यप्रदेश में भ्रष्टाचार की नई परतें खुलती जा रही हैं और सत्ता के संरक्षण में बड़े आर्थिक अपराधियों को बचाने का खेल जारी है। अजय अवस्थी ने कहा कि, जिस मामले में 52 किलो सोना, करोड़ों की नगदी और रियल एस्टेट में किए गए भारी निवेश का खुलासा हुआ था, उस पर उचित समय में लोकायुक्त द्वारा चालान पेश न किया जाना भाजपा सरकार की मंशा को उजागर करता है। यह सीधा संकेत है कि भ्रष्टाचार के तार केवल कुछ अधिकारियों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह एक संगठित नेटवर्क के रूप में सत्ता के शीर्ष तक फैला हुआ है।

जनाब..दिया ताले अँधेरा... गौरतलब होकि हालही में कांग्रेस के जिले में बड़े नेता पर आदिवासी की भूमि हड़पने का मामला सामने आया इसके साथ ही गणेश मंदिर के दान पुण्य का पैसा में सेंधमारी का मामले में काफी चर्चा में रहा कहा यह भी जाता है कि इनके पास कर्मठ जनाधार वाले नेताओ के कंधे पर बन्दूक रखकर राजनीति की रोटी कैसे सेकें यह हुनर कूट कूट कर भरा पड़ा है, जबकि इनकी नेतागिरी बिना चाभी के एक कदम चल ना पाएं द्य वास्तव में पत्थर वो मारे जिसे घर शीशे के नाहो, एक ईमानदार नेता के नसीहत सोशल मीडिया में वायरल है कि अपनी हैसियत के हिसाब से कोई कदम उठाना चाहिए, ओर अपने अगल बगल में झांक कर ही कोई कार्य करना चाहिए द्य तो नेता जी पहले खुद के दामन में लगे दाग साफ़ करने की आवश्यकता है नाकि दूसरो पर टिपण्णी करना द्य अपने मामले में सारी हादो को पार करते हुए ऐसे व्यक्ति ने मामले पर सीएम का पुतला फूंक दिया द्य जोकि तालाब सरकारी भूमि, आदिवासी भूमि, जंगलझुड़पी, व्यवस्थापन भूमि पर नकली कास्तकारी, जमींदारी कर रहे है । सूत्रों के हवाले से खबर हैकि जमीन कि दलाली मामले में एक दशको तक राजनीति कि चौखट नापने वाला नेता भूमाफिया का अदृश्य सहयोगी है जिसे राजस्व रिकॉर्ड के जरिये बड़ी आसानी से तलाशा जा सकता है ।

सुनिए कलेक्टर साहब.... शहडोल में 70 प्रतिशत अवैध जमीनों के खरीद बिक्री मामले में शहडोल का एक व्यक्ति का कुनबा ही चाँदी काट रहा है लेकिन कलेक्टर तक नहीं पहुंच सकी बड़े ताज्जुब की बात है जो कलेक्टर बिना देखे सुने 24 घंटे के अंदर वर्षो से पत्रकारिता से जुड़े लोगो की हिस्ट्री खंगाल कर गरीब पत्रकारों को धौस दिखने का लहजा भी अब पूरे प्रदेश में प्रचारित है द्य लेकिन आपकी यही इच्छा शक्ति भूमाफिया की नब्ज टटोलकर कार्यवाही करने के नाम पर जाने कहा बिलुप्त हो जाती है द्य इन्साफ की लड़ाई में आपका दखल जिले की प्रशासनिक व्यवस्था में कसावट ला सकता है या फिर ढुलमुल ढीला रवैया आराजकता का माहौल निर्मित जिले में अपराध में अंकुश लगाने की जगह छूट की तरह देखा जा रहा है । राजस्व मामले में लगातार शिकायत और आरटीआई से निकली जानकारी झुठलाया नहीं जा सकता ।

शाला प्रवेशोत्सव के अंतर्गत भविष्य से भेंट कार्यक्रम आयोजित

शाजा़पुर, शाला प्रवेशोत्सव के अंतर्गत आज द्वितीय दिवस में भविष्य से भेंट कार्यक्रम के अंतर्गत समुदाय की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए शाउमावि दुपाड़ा में मध्यप्रदेश विद्युत विभाग अधीक्षण यंत्री श्री एसएन वर्मा के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन तथा मां सरस्वती के पूजन से हुआ। इस दौरान श्री वर्मा ने विद्यार्थियों से उनके केरियर गोल के बारे में चर्चा की गई। श्री वर्मा ने पहले विद्यार्थियों को अपने बचपन और प्रारंभिक शिक्षा दीक्षा और स्कूलिंग फिर अपने बच्चों की स्कूलिंग और उनके केरियर प्लान को साझा किया। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि आपका विद्यालय तो संसाधन और सकारात्मक परिवेश से पूर्ण हे, अब चुनौतियां भी पहले जैसी नहीं है, फिर भी हमे अपनी रणनीति बनाकर देश हित में कार्य करना है, उन्होंने कहा कि शिक्षा नौकरी के लिए नहीं अपितु अच्छे नागरिक बनने के लिए है। उन्होंने विद्यार्थियों के प्रश्नों का जवाब भी दिया और विद्यार्थियों से उनके परिवेश को जानने के लिए प्रश्न भी किए। विद्यार्थियों की बेबाक हाजिर जवाबी से प्रसन्न होकर श्री वर्मा जी ने कहा कि जब-जब भी उन्हे समय मिलेगा, वे इस विद्यालय में जरूर आकर पढ़ाने की सहमति दी। इस अवसर पर संस्था प्राचार्य श्रीमती रायना सिद्दीकी, समस्त स्टाफ सदस्य और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक श्री आशीष जोशी और आभार श्रीमती गरिमा सोनी ने माना। इसी तरह कार्यपालन यंत्री पीआईयू श्री भाक्या सिंह परमार ने ग्राम निपानिया डाबी, जन अभियान परिषद जिला समन्वयक श्री विष्णु प्रसाद नागर ने ग्राम लड़ावद तथा जिला आबकारी अधिकारी श्रीमती निधि जैन ने ग्राम बिकलाखेड़ी में शाला प्रवेशोत्सव के अंतर्गत भविष्य से भेंट कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

भारतीय जनता पार्टी की जिला बैठक संपन्न, आगामी संगठनात्मक कार्यक्रम की रूपरेखा हुई तय

6 अप्रैल को पार्टी का स्थापना दिवस व 14 अप्रैल को डॉक्टर अंबेडकर जी की जयंती मनाएगी भाजपा

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर, भारतीय जनता पार्टी की केंद्र और राज्य की सरकार राष्ट्र की राजनीति को विकास के पथ पर लाने के एक स्वर्णिम युग की शुरुआत है जिससे आगामी वर्षों में देश को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को पूरा करने के लिए भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता भी अपने प्राण प्रण से जुटे हुए हैं। हरियाणा दिल्ली और महाराष्ट्र में एनडीए की निर्णायक जीत ने यह साबित कर दिया है कि भ्रम फैलाने वालों को देश स्वीकार नहीं कर रहा है। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सफलतम नेतृत्व में देश प्रगति के पथ पर निरंतर अग्रसर हो रहा है उक्त बातें भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष डॉ रवि पांडे ने बुधवार को स्थानीय भाजपा जिला कार्यालय पर आयोजित जिला बैठक मे जिला पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कही। श्री पांडे ने पार्टी पदाधिकारियों से आगामी पार्टी कार्यक्रमों का प्रभावी ढंग से क्रियान्वयन करने हेतु चर्चा की। बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष श्री पंकज जी जोशी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी स्थापना से लेकर आज तक निरंतर संघर्ष करते हुए अपने सर्वोच्च शिखर पर पहुंची है। और कार्यकर्ताओं की मेहनत, लगन और परिश्रम से पार्टी भारत को विश्व का सिरमौर बने ऐसी कामना के साथ कार्य कर रही है। आगामी 6 अप्रैल को भारतीय जनता पार्टी का स्थापना दिवस पार्टी के कार्यकर्ता पूरे जोश के साथ मनाएंगे। साथ ही आगामी 14 अप्रैल को भारत रत्न डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी की जयंती मनाने के कार्यक्रम भी प्रभावी ढंग से कार्यकर्ता प्रत्येक मण्डल मे संपन्न करें।बैठक को जिला प्रभारी श्री जगदीश जी अग्रवाल एवं जिला पंचायत अध्यक्ष श्री हेमराज सिंह जी सिसोदिया ने भी संबोधित करते हुए आजीवन सहयोग निधि, एवं मन की बात कार्यक्रमो एवं विगत समय आयोजित कार्यक्रमों की समीक्षा की। बैठक में विशिष्ट अतिथि के रूप में ऊर्जा विकास निगम के पूर्व अध्यक्ष श्री विजेंद्र सिंह सिसोदिया,पूर्व विधायक श्री जसवंत सिंह हाडा, श्री पुरषोत्तम चंद्रवंशी, श्री बाबूलाल वर्मा, शाजापुर विधायक श्री अरुण भीमावत, कालापीपल विधायक श्री घनश्याम चंद्रवंशी, पूर्व जिला अध्यक्ष श्री अशोक नायक, महिला मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती बबीता परमार, मंचासीन रहे। बैठक का संचालन जिला उपाध्यक्ष श्री प्रदीप चंद्रवंशी ने किया एवं आभार जिला कोषाध्यक्ष किरण सिंह ठाकुर ने माना।

लीलादेवी काशीपुरी के निधन पर गढ़वाल समाज में शोक

समाज की प्रथम महिला मंडल अध्यक्ष होने का गौरव प्राप्त था

लकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ लालबर्रा, अखिल भारतीय गढ़वाल समाज भिलाई मंडल की अध्यक्ष श्रीमती लीलादेवी काशीपुरी का गत सोमवार को रायपुर में निधन हो गया। कुछ दिन पूर्व एक सड़क दुर्घटना में वे गंभीर रूप से घायल हो गई थीं,जिसके बाद उन्हें बेहतर उपचार हेतु रायपुर स्थित एक अस्पताल के आईसीयू वार्ड में भर्ती कराया गया था। उपचार के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली। उल्लेखनीय है कि श्रीमती लीलादेवी काशीपुरी को अखिल भारतीय गढ़वाल समाज की प्रथम महिला मंडल अध्यक्ष बनने का गौरव प्राप्त था। वे भिलाई स्थित जवाहरलाल नेहरू अस्पताल एवं रिसर्च सेंटर में शासकीय सेवा में कार्यरत थीं। वे अपने पीछे पति कैलाश काशीपुरी और तीन पुत्रियाँ—लेरिना, चीनी एवं मीनी—को छोड़ गई हैं। श्रीमती काशीपुरी न केवल शासकीय सेवा और पारिवारिक दायित्वों का कुशलतापूर्वक निर्वहन करती थीं, बल्कि सामाजिक गतिविधियों में भी सक्रिय भागीदारी निभाती थीं। उन्होंने अपनी पुत्रियों को भी आगे बढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। इसी का परिणाम है कि उनकी बड़ी पुत्री लेरिना ने राष्ट्रीय स्तर पर भरतनाट्यम नृत्य विधा में प्रख्यात नृत्यांगना के रूप में अनेक पुरस्कार अर्जित किए। श्रीमती काशीपुरी के निधन से गढ़वाल समाज को अपूरणीय क्षति पहुँची है, जिसकी भरपाई संभव नहीं है। जिन भी लोगों ने उनके निधन का समाचार सुना, उन्हें सहसा विश्वास नहीं हुआ कि वे अब हमारे बीच नहीं रहीं। श्रीमती काशीपुरी का अंतिम संस्कार मंगलवार को रामनगर मुक्तिधाम में किया गया,जहाँ उनकी तीनों पुत्रियों ने अपनी माँ की अर्थी को कांधा दिया और चिता को मुखाग्नि भी दी। इस गमगीन अवसर पर बड़ी संख्या में सामाजिकजन सहित अनेक लोग उपस्थित रहे। गढ़वाल समाज लालबर्रा की ओर से पूर्व मंडल अध्यक्ष रविशंकर अजीत,शीतलप्रसाद हरिद्वाज एवं डामेन्द्र धानेश्वर ने अंतिम संस्कार में सम्मिलित होकर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठजन—श्रीमती मीना कुरुमजी मंडल अध्यक्ष,धनेश सूर्यवंशी,ओमकार सिलेकर,श्री प्रेमलाल वराड़कर,श्रीमती श्यामाबाई बघेल,राजकुमार ब्रम्हे, प्रकाश बनवाले,देवचंद महोबिया,श्री ईश्वरी गोयल, अनिल परिमल,वीरेंद्र बनवाले सरपंच,देवेंद्र बनवाले, नारायणप्रसाद बनवाले,युवराज बनवाले,लिखीराम हरिन्द्रवार, श्रीमती शीला ब्रम्हे,मोहन नागेश्वर,नंदकिशोर ब्रम्हे,मनोज उराड़वंश,ब्रजेश ब्रम्हे,श्रीमती अनुसुइया बनवाले,दलवंत भारद्वाज,कपिल हरिद्वाज, तुलसीदास ब्रम्हे,बसंत ब्रम्हे, आनंद नागेश्वर,अंकित वराड़कर, चंद्रकुमार ब्रम्हे,श्रीमती सुनीता हरिद्वाज,शरद धानेश्वर,संतोष ब्रम्हे,सचिन चावले,संतोष नागेश्वर,आकाश नागेश्वर,शशेन्द्र गोयल,छवि नागेश्वर,यशवंत अजीत,श्याम सूर्यवंशी,विनोद ब्रम्हे,प्रदीप सूर्यवंशी,अनिरुद्ध बेलजी,विनय हरिद्वाज,श्रीमती पुष्पलता भारद्वाज,पिंटूनागेश्वर, अंकुश ब्रम्हे,दिनेश ब्रम्हवंशी, हरिशंकर बनवारी जनपद सदस्य,जागेश्वर अजीत, रामकिशोर बंशपाल,रोहित नागवंशी,अरुण गोयल,संजू बनवाले,अनिल बनवाले,अंकित हरिद्वाज,मोचन सूर्यवंशी पूर्व मंडल अध्यक्ष,अनिल ब्रम्हे पूर्व मंडल अध्यक्ष,सुरेंद्र बनवाले, राजेश बनवाले,बसंत हरिद्वाज, श्रीमती हेमलता धानेश्वर अध्यक्ष गजानंद महिला मंडल अमोली, आदि ने गहन शोक व्यक्त करते हुए ईश्वर से शोक संतृप्त परिवार को इस दु:ख को सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की।

शासकीय विद्यालय कजंई में प्रवेश उत्सव का भव्य आयोजन, नवप्रवेशित विद्यार्थियों का हुआ तिलक वंदन व सम्मान

लकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ लालबर्रा, शासन के निर्देशानुसार ×म39;स्कूल चले हम अभियान×म39; के अंतर्गत दिनांक 1 अप्रैल दिन मंगलवार को शासकीय विद्यालय कजंई में प्रवेश उत्सव कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस विशेष अवसर पर शिक्षा विभाग एवं जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से अधि. आनंद बिसेन सरपंच ग्राम पंचायत कजंई,धनेन्द्र भलावी जनपद पंचायत सदस्य व संस्था के प्राचार्य तथा पंचायत सचिव सहित अन्य गणमान्य नागरिकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज की। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के चित्र पर अतिथियों द्वारा तिलक वंदन व पूजन-अर्चन के साथ हुई। तत्पश्चात स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया, जिसे सभी ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ सराहा।नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं का तिलक कर एवं फूल माला पहनाकर आत्मीय स्वागत किया गया। नवप्रवेशित विद्यार्थियों को मिली नि:शुल्क पाठ्य पुस्तकें कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यालय में नवदाखिला लेने वाले सभी विद्यार्थियों को शासन की गाइडलाइन के अनुसार नि:शुल्क पाठ्य-पुस्तकें वितरित की गईं। साथ ही कक्षा 5वीं एवं 8वीं के वार्षिक परीक्षा में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित कर प्रोत्साहित किया गया। अतिथियों ने व्यक्त किए प्रेरणादायक विचार अपने उद्बोधन में सभी अतिथियों ने शिक्षा के महत्व, शासन द्वारा दी जा रही सुविधाओं की जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारित कर कठिन परिश्रम करने की प्रेरणा दी। अंत में संस्था प्रभारी प्राचार्य ने समस्त अतिथियों, अभिभावकों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए स्कूल परिवार की ओर से बेहतर भविष्य निर्माण का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम उपरांत अतिथियों, शिक्षक-शिक्षिकाओं व विद्यार्थियों को सामूहिक भोज कराया गया। प्रवेश उत्सव का यह आयोजन प्रेरणादायक, उत्साहवर्धक एवं पूर्णत: सफल रहा।

चैत्र नवरात्र में विशेष हे कटनी स्तिथ मां जालपा का मंदिर

258 वर्षों से ऐतिहासिक व धार्मिक महत्व

सुनील यादव । सिटी चीफ कटनी, शक्ति की उपासना के महापर्व का चल रहा है। नौ दिनों तक मां के भक्त विविध रूपों में अराधना करेंगे। चैत्र नवरात्र की प्रतिपदा पर हम आपको शहर के प्रमुख शक्तिपीठ में विराजी 'मां जालपा' के बारे में बता रहे हैं, जिनकी कृपा ढाई सौ साल से अधिक से बरस रही है। लोगों की मान्यता के कि लगभग 258 साल से बारडोली की धरा में विराजी मां जालपा शहर को न सिर्फ हर बला से बचातीं हैं बल्कि भक्तों की हर मनोकामना पूर्ण करतीं हैं। कटनी शहर का यह प्रमुख शक्तिपीठ है। यहां पर साल के 365 दिन मेले सा माहौल रहता है। नवरात्र पर्व पर मां की निराली छटा देखते ही बनती है। शहर में स्थित मां जालपा मंदिर बहुत पुराना है। पुराने इस मंदिर का रहस्य भी अनूंठा है। पांचवी पीढ़ी के मंदिर के पुजारी लालजी पंडा ने बताया कि जहां पर माता रानी विराजी हैं यहां घनघोर जंगल हुआ करता था। यहां पर बांस का जंगल की बहुतायत थी और उन्हीं बांस के जंगल के बीच में मां जालपा विराजतीं थीं। पंडा के पूर्वज को माता ने स्वप्न दिया, जिसके बाद माता बांस के जंगल से प्रकट हुईं और आज उनकी महिमा जिला ही नहीं बल्कि पूरे प्रदेश में है। पंडा ने सन 1766 में रीवा जिला निवासी बिहारीलाल को माता ने कटनी बुला लिया था। माता के आदेश का पालन करते हुए बिहारीलाल मां की सेवा में कटनी पहुंचे और बांस के जंगल में जाकर नित्य माता की सेवा करने लगा। धीरे-धीरे माता रानी की कृपा से शहर का कायाकल्प हुआ और माता की मढिया के बाद भव्य मंदिर का निर्माण हुआ। मंदिर में माता की अखंड ज्योत, जवारे, कलश आकर्षण का केंद्र होते हैं। मां ज्वाला के रूप वाली मां जालपा की प्रतिमा सिल के आकार की हैं। पंडा बिहारीलाल ने पूर्ण विधि-विधान से माता की प्राणप्रतिष्ठा कराई। कुछ वर्ष बाद मंदिर का जीर्णोद्धार हुआ और फिर मंदिर में मां जालपा के साथ मा काली, शारदा की प्रतिमाएं भी स्थापित कराई गईं। मंदिर के बगल में हनुमानजी और भैरव बाबा भी विराजित किए गए। 2012 मंदिर का विशेष जीर्णोद्धार कराया गया। मंदिर के गुंबज, गेट, परिसर को आकर्षक बनाया गया है। मंदिर परिसर में पट्टाभिरामाचार्य महाराज के सानिध्य में 64 योगनियों की स्थापना कराई गई। नवरात्र के अलावा साल भर यहां भक्तों की भीड़ लगती है। गर्भगृह सहित मंदिर विराजी मां जालपा और माता कालका, शारदा व जालपा की दिव्य छवि के दर्शन कर श्रद्धालुओं के जन्मजन्मांतर के पाप दूर कर रहे हैं। बिहारीलाल पंडा की पांचवी पीढ़ी की संतान लालजी पंडा व उनके पुत्र मातारानी की सेवा में लगे हुए हैं।

अजाक्स ने मनाया नपाध्यक्ष का जन्म दिवश

उज्जैन

खाचरोद नगर के प्रथम नागरिक, नगरपालिका अध्यक्ष गोविंद भरावा का जन्मदिन अजाक्स संघ खाचरोद द्वारा डॉ भीमराव अम्बेडकर प्रतिमा स्थल खाचरोद पर मनाया गया । कार्यक्रम की शुरुआत नगर पालिका अध्यक्ष श्री गोविंद भरावा द्वारा डॉ भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया।तत्पश्चात सभी अजाक्स साथियों ने श्री गोविंद भरावा का पुष्पमाला पहना कर, मिठाई खिला कर जन्मदिन की शुभकामनाएं प्रेषित की । श्री भरावा ने इस अवसर पर डॉ भीमराव अम्बेडकर प्रतिमा की सौंदर्यकरण करने की बात कही । साथ ही वर्ष भर चलने वाली प्याऊ, पक्की बनाने का भी वादा किया गया । इस अवसर पर अजाक्स संघ तहसील अध्यक्ष मोहनलाल राठौर, अमृत मकवाना, शोभाराम परासिया, चुन्नीलाल परमार पीसीओ, गंगाराम परमार, शिवनारायण सारविया, आत्माराम परमार, भेरूलाल मालवीयमंत्री साब

धर्मेन्द्र सारविया, बंशीलाल धनगर, और अन्य अजाक्स साथी उपस्थित थे । कार्यक्रम का संचालन अमृत मकवाना ने किया । आभार तहसील अध्यक्ष मोहनलाल राठौर ने माना ।

जिलाधिकारी ने दिखाई सख्ती,निर्धारित समय से भुगतान न करने वालों पर होगी कड़ी कार्रवाई

अन्नदाता कृषकों का भुगतान यथाशीघ्र किया जाए - जिलाधिकारी मनीष बंसल

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर। जिलाधिकारी सहारनपुर मनीष बंसल द्वारा कलेक्ट्रेट सभागार में बकाया गन्ना मूल्य भुगतान के सम्बन्ध में जनपद की चीनी मिलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आहूत की गई। बैठक में डीएम मनीष बंसल द्वारा सभी चीनी मिल प्रतिनिधियों को दिये गये आश्वासन के अनुसार नियमानुसार गन्ना मूल्य का भुगतान नहीं करने पर चीनी मिल प्रबन्धतंत्र के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने तथा चीनी मिलों का गन्ना अन्य चीनी मिलों को व्यवर्तित करने की कड़ी चेतावनी दी गई। बजाज ग्रुप की चीनी मिल गांगनौली पर सबसे अधिक 196.79 करोड़, चीनी मिल शेरमऊ पर, 55.99 करोड़, गागलहेडी चीनी मिल पर 33.79 करोड़, टोडरपुर चीनी मिल पर 37.84 करोड़, बिडवी चीनी मिल पर 23.40 करोड़, नानौता चीनी मिल पर 9.19 करोड़ एवं सरसावा चीनी मिल पर 10.41 करोड़ नियमानुसार किसानों का गन्ना मूल्य बकाया है। जिलाधिकारी मनीष बंसल द्वारा चीनी मिल गांगनौली के प्रतिनिधि को कड़ी फटकार लगाते हुए तत्काल नियमानुसार बकाया गन्ना मूल्य का भुगतान सुनिश्चित कराने तथा बकाया गन्ना मूल्य भुगतान की कार्ययोजना उपलब्ध कराने के निर्देश दिये गये। चीनी मिल शेरमऊ द्वारा 30 अप्रैल, चीनी मिल गागलहेडी द्वारा 31 मई, चीनी मिल टोडरपुर द्वारा 31 अगस्त, चीनी मिल बिडवी द्वारा 31 मई, चीनी मिल नानौता एवं सरसावा द्वारा माह अप्रैल, नियमानुसार सम्पूर्ण देय गन्ना मूल्य का भुगतान करने का आश्वासन दिया गया। बैठक में जिला गन्ना अधिकारी सुशील कुमार सहित समस्त चीनी मिलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने चैत्र नवरात्र के दृष्टिगत उपखनिज का परिवहन एवं आवागमन का किया पूर्ण निषेध

खनन से भरे वाहन डम्फर, ट्रक एवं घोडे का दिन एवं रात्रि में परिवहन रहेगा निषेध

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने माँ शाकुम्भरी देवी सिद्धपीठ चैत्र नवरात्र मेला कार्यक्रम व जनसामान्य की सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रोहित सिंह सजवाण के साथ मेला परिसर का निरीक्षण किया। डीएम मनीष बंसल ने निर्देश दिए कि मेला परिसर में बेहतर साफ-सफाई के साथ सुरक्षा व्यवस्था का बेहतर इंतेजाम रखा जाए। उन्होंने कहा कि खाद्य पदार्थों की नियमित तौर पर जांच की जाए। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पडे। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने 29 मार्च से 14 अप्रैल 2025 तक माँ शाकुम्भरी देवी मेला क्षेत्र के मार्गों पर उपखनिज का परिवहन करने वाले वाहनों का संचालन, आवागमन पूर्णतः निषेध किया है। थाना मिर्जापुर स्थित माँ शाकुम्भरी देवी सिद्धपीठ चैत्र नवरात्र मेला 14 अप्रैल 2025 तक लगेगा, जिसमें श्रद्धालुगण एवं दर्शनार्थी दर्शन हेतु ट्रैक्टर-ट्रॉली,बस, कार, दोपहिया वाहन तथा पैदल माँ शाकुम्भरी देवी सिद्धपीठ जाते हैं। माँ शाकुम्भरी देवी सिद्धपीठ को जाने वाले मुख्य रास्ते तहसील बेहट क्षेत्रान्तर्गत होकर गुजरता है, तहसील बेहट क्षेत्रान्तर्गत स्थित खनन जोन से खनन से भरे वाहन डम्फर, ट्रक एवं घोडे दिन एवं रात्रि में परिवहन करते हैं तथा श्रद्धालुगण एवं दर्शनार्थी हेतु दिन एवं रात्रि में चलते हैं, जिससे किसी भी समय किसी घटना घटित होने से इन्कार नहीं किया जा सकता है। निरीक्षण के दौरान उपजिलाधिकारी बेहट मानवेन्द्र सिंह सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

समाजसेवी प्रकाश नागर की स्मृति में रक्तदान शिविर का आयोजन

झाबुआ

भोलें भक्त समाजसेवी प्रकाशचन्द्र नागर की स्मृति में उनके शोक निवारण कार्यक्रम में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। उनके पुत्र सुशील नागर ने बताया कि पापा की हार्दिक इच्छा रहती थी कि जब भी मानव सेवा के कार्य हो सबसे पहले हम तैयार हो उसके अनुरूप ही आज उनके पुण्य स्मरण को याद करते हुए परिवार सहित अन्य जनों ने इस पुनीत कार्य में सहयोग दिया व झाबुआ रेडक्रॉस व सिविल अस्पताल के सहयोग से रक्तदान करवाया गया। इस दौरान करीब 30 यूनिट रक्त एकत्रीकरण किया गया जिसमें रक्तदाताओं को सम्मान स्वरूप प्रशस्ति पत्र भेंट किया गया। उल्लेखनीय है कि प्रकाश नागर के छोटे भाई विनोद नागर रोवर्स क्लब के माध्यम से जुड़कर इस वनांचल में सबसे पहले रक्त परीक्षण शिविर, रक्तदान शिविर, नेत्रदान के महायज्ञ में अपना योगदान दे चुके है, वही आज के इस आयोजन में भी नागर परिवार के साथ अन्य समाजसेवी जनों व भोलें भण्डारा परिवार कि ओर से पवन नाहर ने स्वर्गीय प्रकाशचद्र नागर को विनम्र श्रद्धांजलि देते हुए रक्तदान में सहयोग कर रहे समस्त समाजजनों व समाजसेवियों को इस पुनीत कार्य की अनुमोदना करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

दीक्षार्थी ललित भंसाली तिलक लगाकर दे रहे वर्षीदान - लेने वालों की लगी कम्बी कतार

अपनी संपत्ति का एक हिस्सा निकाला जरूरतमंदों की सहायता में

झाबुआ

30 अप्रैल 2025 अक्षय तृतीया के दिन करीब 300 से अधिक वर्षीतप आराधकों की मौजूदगी में जिन शासन गौरव पूज्य गुरुदेव उमेशमुनीजी म.सा. अणु के प्रथम शिष्य पूज्य श्री धर्मदास गण नायक आगम विशारद बुद्धपुत्र पूज्य गुरुदेव श्री जिनेन्द्रमुनिजी म. सा. के मुखाग्र से जैन भगवती दीक्षा अंगीकार करने वालें स्वर्ण आभूषण व्यापारी सेठ ललित सुंदरलाल भंसाली अपनी कमाई हुई संपत्ति का दान जरूरतमंद व जिन शासन की प्रभावना में लगा रहे है। इसी श्रंखला में उन्होंनें नगर में बकायदा एनाउंसमेंट करवाकर सबको इसकी सूचना देते हुए आग्रह किया है कि नित्य दोपहर 4 से 5 बजे तक रोजाना आकर उनके हाथों से वर्षीदान प्राप्त कर उनके संयमी जीवन के लिए उन्हें आशीर्वाद प्रदान करें। प्राचीन काल में भी जब तीर्थंकर वर्षीदान करते थे तब भव्य आत्माओं को उनके हाथों दानराशि प्राप्त करने का लाभ मिलता था इसी तरह अनेक भव्य आत्मा जो धनाढ्य परिवार से आती है तो वह अपना सर्वस्व जन - परिजन पर न्यौछावर कर देती है कुछ इसी तरह के मुमुक्षु ललित भंसाली के संकल्प को उनके परिजनों ने पूरा करने में सहयोग किया है। ललित भंसाली ने भंसाली चौराहे पर दोपहर 4 से 5 बजे तक दरबार लगाकर सभी छोटे बड़े आने वालें जरूरतमंदों को 50-50 रुपये की राशि तिलक लगाकर ससम्मान भेंट की। ललित भाई से राशि पाने देखते ही देखते लंबी कतार लग गई इस कारण ललित भाई के साथ सहयोग करने उनकी माताजी ताराबाई भंसाली भाई भरत भंसाली, अनिल भंसाली, पुत्र प्रांजल भंसाली व भतीजा अंकित भंसाली भी सहयोगी बन खड़े हो गए। इस दौरान बकायदा गार्ड की व्यवस्था के साथ कतारबद्ध होकर बिना भेदभाव 2 माह से लगाकर बुजुर्ग सबको समान रुप से वर्षीदान दिया। ललित ने बताया कि यह दीक्षार्थी का पुण्य पुरुषार्थ है कि वह अपनी कमाई का कुछ हिस्सा जन सहयोग में निकालें जिसे आगम में वर्षीदान कहा जाता है। आज लनसमुह को देखकर मुझे लग रहा है कि मेरे कमाए धन का सदुपयोग हो रहा है। उनके परिजनों ने भी ललित भाई की भावनाओं का सम्मान करते हुए कहा कि किसी गरीब या आवश्यक जरूरतमंद को तिलक लगाकर भेंट देने का जो कार्य ललित भाई कर रहे है उसके आंनद की अनुभूति उनके चेहरे से झलक रही है यह सत्कार्य सबके लिए एक प्रेरणा है।

कटनी कलेक्टर की अनोखी पहल

शुरू किया स्कूल चलें हम अभियान, पेन-डायरी देकर किया प्रोत्साहित

सुनील यादव । सिटी चीफ कटनी, *कटनी जिले में स्कूल चलें हम अभियान के तहत कलेक्टर ने नगर निगम कार्यालय से लगे के.सी.एस. स्कूल में बच्चों की क्लास ली। इस दौरान उन्होंने छात्राओं को कई विषयों को पढ़ाया। साथ ही उन्हें पेन और डायरी भी दी। कटनी जिले में स्कूल चलें हम अभिया का शुभारंभ किया जा चुका है। इस अभियान के तहत 1 से 4 अप्रैल तक प्रतिदिन स्कूलों में कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है। इसी के तहत कटनी कलेक्टर दिलीप यादव ने शहर के बीचों बीच स्थित*

के. सी.एस. शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पहुंचकर भविष्य से भेंट कार्यक्रम में बच्चों से मुलाकात की। साथ ही बच्चों को क्लास में पढ़ाने के साथ समझाया। इस दौरान कलेक्टर दिलीप यादव ने कक्षा में पहुंचकर बच्चों द्वारा बनाई गई विभिन्न मॉडल प्रदर्शनी का अवलोकन किया। साथ ही छात्राओं को नए शैक्षणिक सत्र की पाठ्य-पुस्तकें भी फ्री में दीं।वही कलेक्टर दिलीप यादव ने छात्राओं को विभिन्न विषयों पर आधारित पाठशाला पढाई गई। उन्होंने भौतिक विज्ञान अंतर्गत विमीय सूत्र,अदिश राशि, सदिश राशि, बेसिक यूनिट को विस्तार से समझा। साथ ही रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान एवं इतिहास, सामान्य ज्ञान, हिन्दी, संस्कृत एवं गणित संबंधितों विषयों को भी विस्तार से समझाया।साथ ही कलेक्टर ने छात्राओं से संवाद कर पाठ्यक्रम से संबंधित बेसिक प्रश्नों को पूछा एवं छात्राओं द्वारा सही उत्तर देने पर पेन एवं डायरी देकर सम्मानित किया। वहीं, कलेक्टर दिलीप यादव ने बच्चों से संवाद करते हुए कहा कि छात्राएं शिक्षा के क्षेत्र में अपनी बौद्धिक क्षमता को सुदृढ़ रखें। उन्होंने कहा कि पढ़ाई में मन लगाकर पढ़ना चाहिए. विद्यार्थी अपनी रूचि के अनुसार विषयों का चयन करें। खूब मेहनत कर ऊंचाईयों को छूएं। उन्होंने छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं एवं बधाई देते हुए कहा कि पढ़ लिखकर सिविल सिविल सेवा एवं उच्च अधिकारियों के पद पर पहुंचे।

जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जनसहयोग से किया जा रहा है तालाबों का गहरीकरण

देवास प्रदेश के साथ ही सदेवास जिले में संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत कलेक्टर श्री ऋतुराज सिंह एवं जिला पंचायत सीईओ श्री हिमांशु प्रजापति के मार्गदर्शन में जिले में जल संरचनाओं के निर्माण एवं गहरीकरण के कार्य किए जा रहे है। इसी क्रम में जिला प्रशासन एवं ग्रामीणों के जनसहयोग से जिले के तालाबों, नदियों एवं कुएं-

बावड़ियों का गहरीकरण कर मिट्टी निकालने का कार्य किया जा रहा है। साथ ही जलाशय की साफ-सफाई का कार्य भी किया जा रहा है।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत किया जा रहा है जल स्रोतों का जीर्णोद्धार

सीहोर राज्य शासन के निर्देशानुसार प्रदेश के साथ ही सीहोर जिले मे 30 मार्च से 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत जिले भर में जल संरक्षण से संबंधित अनेक गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में अभियान के तहत सीहोर जनपद पंचायत के ग्राम बरखेड़ी में पोखर निर्माण, ग्राम बमूलिया में बावड़ी जीर्णोद्धार, ग्राम धनखेडी में परकोलेशन टैंक एवं ग्राम कराड़िया भील में कूप मरम्मत का कार्य किया गया। इसके साथ ही जिले के सभी जनपदों में अभियान के तहत अनेक गतिविधियां आयोजित की गईं।

उल्लेखनीय है कि जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जिले में जल संरक्षण एवं संवर्धन से संबंधित खेत, तालाब, अमृत सरोवर, परकोलेशन टैंक, डगवेल, तालाब जीर्णोद्धार, जनभागीदारी के कार्य, कूप एवं बाउंड्री मरम्मत के कार्य किए जा रहे हैं। जल गंगा संवर्धन अभियान का प्रमुख उद्देश्य जनभागीदारी से जल संरक्षण तथा संवर्धन सुनिश्चित करना है। इस अभियान के अन्तर्गत समाज की भागीदारी तथा और विभिन्न सहयोगी विभागो की समेकित पहल से मुख्यत जल संरक्षण संरचनाओं के निर्माण, भूजल संवर्धन, पूर्व से मौजूद जल संग्रहण संरचनाओं की साफ सफाई एवं जीर्णोद्धार करना है। इसके साथ ही जल स्त्रोत में प्रदूषण कम करना, साफ सफाई करना, पौधरोपण के कार्य किए जा रहे हैं। इसके साथ ही जल संरक्षण एवं जागरूकता के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान का क्रियान्वयन विभिन्न विभाग मिलकर कर रहे है।

कलेक्टर ने की ई-ऑफिस कार्य प्रणाली के क्रियान्वयन की समीक्षा

सीधी कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी द्वारा जिले में ई-ऑफिस कार्यप्रणाली के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए अभी तक की प्रगति की समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री सोमवंशी ने कहा कि राज्य शासन द्वारा कार्यालयों में कार्य प्रक्रिया में तेजी लाने एवं पारदर्शिता बढ़ाने के उद्देश्य से ई-ऑफिस की कार्यप्रणाली लागू करने एवं इसे अमल में लाने हेतु निर्देश जारी किए गए हैं। सभी कार्यालयों में माह अप्रैल से ई-ऑफिस में कार्यवाही की शुरुआत की जाए। ई-ऑफिस से प्रशासनिक कार्यों में समय की बचत होने से दक्षता और गुणवत्ता में वृद्धि होगी। कलेक्टर ने जिला सूचना अधिकारी दशरथ प्रजापति को सभी विभागों से समन्वय स्थापित करने तथा उन्हें आवश्यक तकनीकी सहयोग प्रदान कर ई-ऑफिस कार्यप्रणाली क्रियान्वित करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने सभी कार्यालयों में क्रमबद्ध तरीके से इस प्रणाली को लागू करने के निर्देश दिए हैं। इस दौरान कलेक्टर ने जिला पंजीयक कार्यालय में ई-ऑफिस में किए गए कार्य का अवलोकन भी किया

बजरंग दल नेता विकास त्यागी ने सांसद इमरान मसूद द्वारा अपने को राम का वंशज बताते हुए अयोध्या स्थित श्रीराम मंदिर ट्रस्ट में उन्हें शामिल करने की मांग को हास्यास्पद बताया

विकास त्यागी बोले इमरान मसूद को हिंदुओं की वोट चाहिए इसलिए वह नौटंकी कर रहे हैं

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर । देवबंद, बजरंग दल के पूर्व प्रांत संयोजक विकास त्यागी ने एक बयान जारी करते हुए कांग्रेस सांसद इमरान मसूद के उस बयान को हास्यास्पद बताया जिसमें सांसद इमरान मसूद ने अपने को राम का वंशज बताते हुए अयोध्या स्थित श्रीराम मंदिर ट्रस्ट में उन्हें भी शामिल किए जाने की बात कही। विकास त्यागी ने कहा है कि इमरान वास्तव में यदि इतने बड़े राम के वंशज अपने आप को मानते हैं तो बतायें जब राम जन्मभूमि का आंदोलन चल रहा था तब कितनी बार इमरान मसूद ने राम मंदिर के लिए कार सेवा की, कितनी बार राम मंदिर के आंदोलन में भाग लिया। यदि आज भगवान राम का मंदिर बन गया है तो वह बोल रहे है कि मुझे ट्रस्ट में शामिल किया जाये, उनका रह बयान हास्यास्पद है। विकास त्यागी ने इमरान मसूद को हिंदुओं की वोट चाहिए इसलिए यह नौटंकी कर रहे हैं। बजरंग दल नेता विकास त्यागी ने वक्फ बोर्ड बिल को संसोधन

हेतु संसद में लाकर सरकार द्वारा पास कराए जाने पर भी प्रशंसा व्यक्त करते हुए कहा है खाता ना बही वक्फ कहे वही सही ये वक्फ बोर्ड नहीं बल्कि भूमाफियाओं का एक बोर्ड था। जो आज से नहीं बल्कि 70 वर्ष पूर्व ही इस देश से समाप्त हो जाना चाहिए था। क्योंकि बोर्ड ने आज लाखों करोड़ों बीघा जमीन कब्जा कर रखी है जो अधिकतर हिंदुओं की है। इसीलिए वक्फ बोर्ड संसोधन बिल देर से लाया गया स्वागत योग्य कदम है। आज मोदी सरकार ने वक्फ में संसोधन करके इसका आज अंतिम संस्कार कर दिया है।विकास त्यागी ने सरकार से मांग करते हुए कहा है कि वक्फ द्वारा कब्जाई गई सभी भूमि को सरकार अधिग्रहण करें तथा बांग्लादेश में प्रताड़ित हिंदुओं को भारत लाकर उसमें बसा देना चाहिए।

अमेरिका ने भारत को दिया बड़ा झटका, डोनाल्ड ट्रंप ने लगाया 26 प्रतिशत टैरिफ

इंटरनेशनल डेस्क: अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत और अन्य देशों पर रेसिप्रोकल टैरिफ लगाने का ऐलान किया है, जिसके तहत भारत पर 26त्न शुल्क लागू किया जाएगा। यह ऐलान व्हाइट हाउस में एक प्रेस ब्रीफिंग के दौरान किया गया, जिसमें ट्रंप ने इस संबंध में एक एक्जीक्यूटिव ऑर्डर पर साइन किए। ट्रंप के मुताबिक, यह कदम अमेरिका की अर्थव्यवस्था को फिर से मजबूत करने के उद्देश्य से उठाया गया है, ताकि अमेरिकी व्यापारियों और श्रमिकों को फायदा हो सके।

रेसिप्रोकल टैरिफ और न्यूनतम बेसलाइन टैरिफ का ऐलान-

इसके अलावा, ट्रंप ने 10त्न न्यूनतम बेसलाइन टैरिफ की भी घोषणा की है, जो उन देशों पर लागू होगा जो अमेरिकी उत्पादों पर भारी शुल्क लगाते हैं। ट्रंप का कहना है कि यह नीति उन देशों पर दबाव बनाने के लिए है, जो अमेरिकी निर्यात के खिलाफ ऊंचे शुल्क लगाते हैं। उनका आरोप है कि अमेरिका के व्यापारिक साझेदार अपनी नीतियों से अमेरिका को आर्थिक रूप से नुकसान पहुंचा रहे हैं, और इसे रोकने के लिए यह कदम उठाया गया है।

ऑटोमोबाइल्स पर भारी टैरिफ-

ट्रंप ने एक और महत्वपूर्ण घोषणा की, जिसमें उन्होंने विदेशी निर्मित ऑटोमोबाइल्स पर 25त्न टैरिफ लगाने का निर्णय लिया। यह शुल्क आधी रात से प्रभावी होगा। उन्होंने यह भी कहा कि यह कदम अमेरिकी ऑटोमोबाइल उद्योग को बढ़ावा देने और अमेरिकी कार निर्माताओं को वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए उठाया जा रहा है। ट्रंप का कहना है कि अमेरिका में बेची जाने वाली अधिकांश विदेशी कारों पर भारी शुल्क लगाया जाएगा, जिससे घरेलू उद्योग को प्रतिस्पर्धा करने का मौका मिलेगा।

यूरोपीय संघ और एशियाई देशों पर आरोप-

ट्रंप ने इस अवसर पर यूरोपीय संघ और एशियाई देशों पर भी निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि ये देश अमेरिकी कारों पर भारी शुल्क लगाते हैं, जबकि अमेरिका केवल 2.4% टैरिफ लागू करता है। ट्रंप ने उदाहरण देते हुए कहा कि थाईलैंड 60त्न, भारत 70त्न और वियतनाम 75त्न तक शुल्क वसूलता है। ट्रंप ने कहा कि यह असमान व्यापार नीति अमेरिका के लिए न केवल अनुचित है, बल्कि यह अमेरिकी उत्पादों को वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धी बनाने की दिशा में एक बड़ा अवरोध है।

इसके अलावा, ट्रंप ने जापान और दक्षिण कोरिया पर भी हमला बोला, यह कहते हुए कि इन देशों में बेची जाने वाली अधिकांश कारें स्थानीय रूप से निर्मित होती हैं, जबकि अमेरिकी कारों की बिक्री इन देशों में बहुत कम है।

ट्रंप का विदेशी नेताओं को संदेश

ट्रंप ने अपने बयान में दुनियाभर के देशों को संदेश दिया कि यदि वे चाहते हैं कि अमेरिका अपने टैरिफ को कम करे, तो उन्हें पहले अपने खुद के टैरिफ घटाने चाहिए। उन्होंने कहा, अगर आप चाहते हैं कि हमारे टैरिफ कम हों, तो पहले अपने टैरिफ कम करें। अगर किसी देश को लगता है कि उनका टैरिफ शून्य होना चाहिए, तो उन्हें अपने उत्पाद अमेरिका में ही बनाना चाहिए। ट्रंप का कहना था कि जब कंपनियां अमेरिका में उत्पादन करने के लिए आएंगी, तो उन्हें कोई टैरिफ नहीं लगेगा। उन्होंने यह भी बताया कि अमेरिकी धरती पर पहले कभी न देखी गई संख्या में कंपनियां अपना उत्पादन स्थापित कर रही हैं।

राष्ट्रपति ट्रंप ने यह भी कहा कि ये टैरिफ अमेरिका को उन देशों से सुरक्षा प्रदान करते हैं, जो जानबूझकर अमेरिकी अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाने का प्रयास कर रहे थे। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि इन देशों ने शायद सीधे तौर पर नहीं, लेकिन गंभीर आर्थिक नुकसान पहुंचाने की कोशिश की। उन्होंने यह भी कहा कि इन टैरिफ के परिणामस्वरूप अमेरिका को अभूतपूर्व विकास मिलेगा, जो पहले कभी नहीं देखा गया। ट्रंप ने इस मौके पर विश्वास जताया कि यह कदम अमेरिकी अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करेगा और भविष्य में विकास की एक नई दिशा देगा। ट्रंप ने यह भी ऐलान किया कि किस देश से कितना टैरिफ वसूला जाएगा। यह कदम उनके द्वारा दिए गए भाषण के साथ तुरंत प्रभाव से लागू हो गया है।

रेप केस में मोनालिसा क डायरेक्टर सनोज मिश्रा को लेकर महिला का बड़ा बयान, बता दिया सारा सच

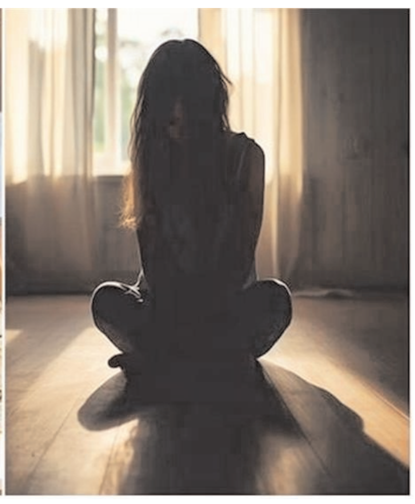

नेशनल डेस्क. फिल्म इंडस्ट्री में आए दिन विवादों और कानूनी मामलों की खबरें सामने आती रहती हैं। इस बार भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री के जाने-माने निर्देशक सनोज मिश्रा का नाम एक गंभीर आरोप में फंसा है। सनोज मिश्रा, जो महाकुंभ के दौरान मोनालिसा को अपनी फिल्म में कास्ट करने के लिए चर्चित हुए थे, अब दुष्कर्म के आरोप में गिरफ्तार किए गए हैं। लेकिन इस पूरे मामले में अब एक नया ट्विस्ट सामने आया है। एक वीडियो में महिला ने दावा किया है कि उसके साथ रेप नहीं हुआ था और वह पूरे मामले में निर्दोष सनोज मिश्रा के पक्ष में है। सनोज मिश्रा पर आरोप था कि उन्होंने एक महिला के साथ जबरन अबॉर्शन कराया और उसके अश्लील फोटो वायरल करने की धमकी दी। पुलिस ने इन आरोपों के बाद उन्हें दिल्ली में गिरफ्तार कर लिया। इस घटना ने सनोज मिश्रा के करियर को एक बड़ा झटका दिया। हालांकि, अब महिला के बयान ने इस मामले में नया मोड़ दिया है, जिससे इस केस की सच्चाई पर सवाल उठने लगे हैं।

महिला का वीडियो - मेरा रेप हुआ ही नहीं

हाल ही में एक वीडियो सामने आया है, जिसमें महिला ने खुद को पीड़िता बताते हुए यह कहा कि उसे सनोज मिश्रा के खिलाफ दुष्कर्म का केस दर्ज करने के लिए प्रेशर किया गया था। महिला का कहना है कि वह सनोज मिश्रा को पांच साल से जानती है और दोनों के बीच लड़ाई-झगड़े होते रहते थे। महिला का कहना है कि कुछ लोग, विशेष रूप से वसीम रिजवी, ने उसे भड़काकर और प्रेशर डालकर सनोज मिश्रा के खिलाफ झूठा आरोप लगाने के लिए उकसाया। महिला ने वीडियो में बताया कि वह गांव से है और उसकी समझ इतनी गहरी नहीं थी। उसे एक महिला एडवोकेट की मदद दी गई, जिसने उसे यह विश्वास दिलाया कि अगर वह एफआईआर कर देगी तो उसका केस मजबूत हो जाएगा। महिला ने यह भी कहा कि उसने कभी यह नहीं कहा कि उसके साथ रेप हुआ था। इसके बाद, जब महिला ने अपना केस वापस लेने की कोशिश की तो उसे धमकाया गया कि एफआईआर हो चुका है और अब वह कुछ नहीं कर सकती।

महिला का बयान - सनोज निर्दोष हैं

महिला ने अपनी बात को स्पष्ट करते हुए कहा कि उसके साथ कभी कोई बलात्कार नहीं हुआ। वह अपने खुद के फैसले से सनोज मिश्रा के साथ रहती थी। उसने यह भी कहा कि कुछ मिसअंडरस्टैंडिंग के कारण उनके बीच विवाद हुआ था, जिसे अब कुछ लोग अपने फायदे के लिए बढ़ा रहे हैं। महिला ने उच्च न्यायालय में भी अपना बयान दिया कि सनोज मिश्रा को बेल दी जानी चाहिए, क्योंकि उन्होंने उसके साथ कोई गलत काम नहीं किया। उसने सनोज मिश्रा को पूरी तरह निर्दोष बताया।

पुलिस की भूमिका और जांच

महिला के इस बयान के बाद पुलिस अब इस पूरे मामले की गहनता से जांच कर रही है। अब तक पुलिस ने इस मामले में दोनों पक्षों से बयान लिए हैं और जांच जारी है। हालांकि, मामले की सत्यता का पता अभी नहीं चल पाया है, लेकिन यह मामला एक नए मोड़ पर आ गया है। पुलिस को इस वीडियो की भी जांच करनी होगी कि क्या यह सच में वही महिला है जिसने पहले सनोज मिश्रा के खिलाफ दुष्कर्म का आरोप लगाया था।

नाबालिगों को हवस का शिकार बनाता था भारतीय नागरिक, अमेरिका की अदालत ने दी कड़ी सजा

अमेरिका की एक संघीय अदालत ने 31 वर्षीय भारतीय नागरिक को कई बच्चों के यौन शोषण का दोषी ठहराते हुए उसे 35 साल की सजा सुनाई है। भारतीय नागरिक पर आरोप है कि वह सोशल मीडिया ऐप के जरिए अपनी पहचान किशोर के तौर पर दिखाता था कम उम्र के लड़के और लड़कियों से दोस्ती करता था और उनका विश्वास जीत लेता था। आरोप है कि ये उन्हें बाल पोर्नोग्राफी से जुड़ी और तस्वीरें आदि देने को कहता था और जब ये लोग उसकी बात नहीं मानते थे तो वह उन्हें धमकाता था।

अमेरिकी अटॉर्नी रॉबर्ट ट्रॉस्टर ने एक बयान में कहा कि भारतीय नागरिक साई कुमार कुररेमुला को तीन बच्चों के यौन शोषण और बाल पोर्नोग्राफी से जुड़ी सामग्री रखने के जुर्म में 420 माह जेल की सजा सुनाई गई है। वह आव्रजक वीजा पर ओक्लाहोमा के एडमंड में रह रहा था। पिछले सप्ताह दिए गए आदेश में अमेरिका के डिस्ट्रिक्ट जज चार्ल्स गुडविन ने कहा कि सजा पूरी होने पर रिहा होने के बाद भी वह आजीवन निगरानी में रहेगा।

गुडविन ने कहा कि कुररेमुला ने पीड़ितों और उनके परिवार को ऐसा घाव दिया है जो जीवन भर नहीं भरेगा। मामले की सुनवाई के दसौरान कुररेमुला ने कबूल किया कि उसने एक नाबालिग को धमकी दी कि वह उसके घर जाएगा और उसके माता-पिता को उसकी अश्लील तस्वीरें दिखाएगा। उसने एक अन्य नाबालिग को उसकी अश्लील तस्वीरें और वीडियो सार्वजनिक करने की धमकी भी दी थी।

ट्रंप के नए व्यापारिक कदम से दुनिया में मची उथल-पुथल!

प्रभावित देशों ने दी कड़ी प्रतिक्रिया

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को लगभग सभी अमेरिकी व्यापारिक साझेदार देशों पर दूरगामी प्रभाव वाले नए शुल्क लगाने की घोषणा की। इसमें चीन से आयात पर 34 प्रतिशत कर और यूरोपीय संघ (ईयू) और अन्य पर 20 प्रतिशत कर तथा भारत पर व्यापक रूप से 26 प्रतिशत का 'रियायती जवाबी शुल्क लगाया गया है, जिससे वैश्विक अर्थव्यवस्था की संरचना के काफी हद तक ध्वस्त होने और व्यापक व्यापार युद्ध शुरू होने का खतरा है। ट्रंप इन आयात करों को ''जवाबी शुल्क कहते हैं और इनकी सीमा 10 प्रतिशत से 49 प्रतिशत तक है। सरल शब्दों में कहें तो अमेरिका अपने व्यापारिक साझेदारों पर उतना ही शुल्क लगाएगा जितना वे लगाएंगे। ट्रंप के अनुसार, ये देश दशकों से अमेरिका के साथ यही करते आ रहे हैं।

उन्होंने कहा, करदाताओं को 50 से अधिक वर्षों से लूटा जा रहा है... लेकिन अब ऐसा नहीं होने वाला है। राष्ट्रपति ने वादा किया कि करों के परिणामस्वरूप अमेरिका के कारखानों में नौकरियां वापस आएंगी, लेकिन उनकी नीतियों से अचानक आर्थिक मंदी का खतरा है क्योंकि उपभोक्ताओं और व्यवसायों को कीमतों में भारी बढ़ोतरी का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने इसे न केवल एक आर्थिक मुद्दा बताया, बल्कि इसे राष्ट्रीय सुरक्षा का प्रश्न भी बताया, जो ''हमारी जीवन-शैली के लिए खतरा है। ट्रंप की इस घोषणा के बाद वित्तीय बाजारों में उथल-पुथल मच गई। बृहस्पतिवार को अमेरिकी शेयर वायदा में तीन प्रतिशत तक की गिरावट आई और तोक्यो के बाजार में एशिया में सबसे यादा गिरावट दर्ज की गई। तेल की कीमतें दो डॉलर प्रति बैरल से अधिक गिर गईं और बिटकॉइन की कीमत में 4.4 प्रतिशत की गिरावट आई। ट्रंप की घोषणा के बाद ब्रिटेन की सरकार ने कहा कि अमेरिका ब्रिटेन का ''सबसे करीबी सहयोगी बना हुआ है। व्यापार मंत्री जोनाथन रेनॉल्ड्स ने कहा कि ब्रिटेन को उम्मीद है कि वह ट्रंप द्वारा घोषित ब्रिटिश वस्तुओं पर 10 प्रतिशत शुल्क के ''प्रभाव को कम करने के लिए एक व्यापार समझौता कर लेगा। उन्होंने कहा, ''कोई भी व्यापार युद्ध नहीं चाहता और हमारा इरादा समझौता सुनिश्चित करना है। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने ईयू के विरुद्ध नए 20 प्रतिशत शुल्क को ''गलत बताते हुए कहा कि इससे किसी भी पक्ष को लाभ नहीं होगा। मेलोनी ने 'फेसबुक पर पोस्ट कर कहा, ''हम अमेरिका के साथ एक समझौते की दिशा में काम करने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे, जिसका उद्देश्य एक व्यापार युद्ध से बचना है। ब्राजील की सरकार ने कहा कि वह इस मामले को विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में ले जाने पर विचार कर रही है।

बाद में ब्राजील की कांग्रेस ने सर्वसम्मति से एक विधेयक पारित किया, जो ब्राजील की सरकार को देश के सामान पर शुल्क लगाने वाले किसी भी देश या व्यापार समूह के खिलाफ जवाबी कार्रवाई करने की अनुमति देता है। अमेरिका को सबसे बड़े निर्यातकों में से एक एशियाई देशों ने प्रभावित होने वाले वाहन निर्माताओं एवं अन्य व्यवसायों का समर्थन करने के लिए त्वरित कार्रवाई करने का संकल्प जताया।

दक्षिण कोरिया के व्यापार मंत्रालय ने कहा कि दक्षिण कोरिया के कार्यवाहक नेता प्रधानमंत्री हान डक-सू ने अधिकारियों से कहा है कि वे नए 25 प्रतिशत शुल्क के संभावित प्रभाव का विश्लेषण करने के लिए व्यापारिक समूहों के साथ काम करें ताकि ''नुकसान को कम से कम किया जा सके। चीन के वाणिय मंत्रालय ने कहा कि चीन ''अपने अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए दृढ़ता से जवाबी कदम उठाएगा। हालांकि चीन ने यह नहीं बताया कि वह इसके प्रत्युत्तर में क्या कदम उठा सकता है।

चीन ने कहा, ''चीन अमेरिका से अपने एकतरफा शुल्क उपायों को तुरंत रद्द करने और समान बातचीत के माध्यम से अपने व्यापारिक भागीदारों के साथ मतभेदों को ठीक से हल करने का आग्रह करता है। कुछ देशों ने 'व्हाइट हाउस (अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक कार्यालय एवं आवास) की गणना पर आपत्ति जताई। आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने कहा कि उनके देश पर लगाया गया अमेरिकी शुल्क पूरी तरह से अनुचित है, लेकिन ऑस्ट्रेलिया जवाबी कार्रवाई नहीं करेगा। दक्षिण प्रशांत क्षेत्र के नॉरफॉक द्वीप पर लगाए गए 29 प्रतिशत शुल्क ने सभी हैरान हैं क्योंकि ऑस्ट्रेलिया के इस क्षेत्र की आबादी महज 2,000 लोगों की है और इसकी अर्थव्यवस्था पर्यटन पर आधारित है। रफॉक द्वीप के प्रशासक जॉर्ज प्लांट ने बृहस्पतिवार को 'एसोसिएटेड प्रेस (एपी) को बताया, ''जहां तक ??मेरी जानकारी है, हम अमेरिका को कुछ भी निर्यात नहीं करते हैं। न्यूजीलैंड ने भी ट्रंप के शुल्क के तर्क का मुद्दा उठाया है। मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम ने बुधवार को कहा कि वह ट्रंप की घोषणा के मेक्सिको पर प्रभाव का आकलन करेंगी।

भारत यात्रा पर आए चिली के राष्ट्रपति ग्रेब्रियल बोरिक ने भारत में एक व्यापार मंच से चेतावनी दी कि इस तरह के कदम अनिश्चितता पैदा करने के अलावा, ''पारस्परिक रूप से सहमत नियमों और ''अंतरराष्ट्रीय व्यापार को नियंत्रित करने वाले सिद्धांतों को भी चुनौती देते हैं।

वेबसाइट पर डाली जाएगी डिटेल

संपत्ति का ब्योरा सार्वजनिक करेंगे सुप्रीम कोर्ट के सभी जज

नेशनल डेस्क. सुप्रीम कोर्ट के सभी जजों ने अपनी संपत्तियों का ब्योरा सार्वजनिक करने का निर्णय लिया है। इस फैसले के तहत अब चीफ जस्टिस संजीव खन्ना को भी अपनी संपत्ति की जानकारी सार्वजनिक करनी होगी। सुप्रीम कोर्ट की फुल कोर्ट ने यह तय किया है कि जजों को अपने पद संभालने के बाद अपनी संपत्तियों का पूरा विवरण सार्वजनिक करना चाहिए।

यह जानकारी स्वेच्छा से सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर दी जाएगी, जिसमें ष्टछ्वढ्ढ और अन्य जजों की संपत्तियों का ब्योरा शामिल होगा। फिलहाल, वर्तमान समय में ष्टछ्वढ्ढ संजीव खन्ना सहित कुल 30 सुप्रीम कोर्ट के जजों ने अपनी संपत्तियों का ब्योरा वेबसाइट पर सार्वजनिक किया है। इनमें जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस अभय एस ओक, जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस बीवी नागरत्ना जैसे प्रमुख जज शामिल हैं।

यह कदम ऐसे समय पर उठाया गया है, जब हाल ही में जस्टिस यशवंत वर्मा के आवास से भारी मात्रा में नकद राशि मिलने का मामला सामने आया था।

14 मार्च को जस्टिस वर्मा के आधिकारिक आवास में आग लग गई थी और जब फायर ब्रिगेड की टीम ने आग बुझाई, तो उन्होंने स्टोर रूम में नोटों की गड्डियां पाई। बाद में यह जानकारी मिली कि आग से कई नोट जल भी गए थे।

इस मामले की जांच के लिए ष्टछ्वढ्ढ संजीव खन्ना ने 22 मार्च को एक तीन सदस्यीय समिति का गठन किया था, जो जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ आंतरिक जांच कर रही है। यह मामला सुप्रीम कोर्ट में एक महत्वपूर्ण मुद्दा बन चुका है और इस संदर्भ में जजों द्वारा अपनी संपत्तियों का ब्योरा सार्वजनिक करने के फैसले को पारदर्शिता और सार्वजनिक विश्वास बनाए रखने की दिशा में एक कदम माना जा रहा है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569